● जयपुर, रविवार, 29 सितंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 44 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 पर्यटन के साथ स्थानीय कलाकारों और हस्तशिल्प को भी बढ़ावा मिले : दिया कुमारी...

पेज @4 हरियाणा में अब बीजेपी चारों खाने चित : डोटासरा...

पेज @8 वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए एक पथ प्रदर्शक है मीडिया...

प्रवासी राजस्थानी समुदाय को जड़ों से जोड़ने का राजस्थान सरकार का अभियान

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने झारखंड की राजधानी में प्रवासी राजस्थानी (एनआरआर) समुदाय से मुलाकात की

झारखंड में बसे मारवाड़ी समुदाय को राजस्थान में निवेश के लिए किया आमंत्रित

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, अजय मारू वगैरह सहित अन्य गणमान्यजन भी रांची में आयोजित प्रवासी और औद्योगिक सम्मेलन में शामिल हुए

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 28 सितंबर । प्रवासी राजस्थानी (एनआरआर) और मारवाड़ी समुदाय को राजस्थान से जोड़ने के अभियान के तहत राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज झारखंड की राजधानी रांची में 'राइजिंग राजस्थान' प्रवासी और औद्योगिक सम्मेलन में हिस्सा लिया। यह बैठक जयपुर में माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 9, 10, 11 दिसंबर को होने वाले आगामी 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के मद्देनजर हुई है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने झारखंड में रहने वाले प्रवासी राजस्थानी और मारवाड़ी समुदाय के नेताओं और व्यापारिक जगत के लोगों से मुलाकात की और उन्हें राजस्थान में कारोबार करने व अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया।

माननीय मुख्यमंत्री के अलावा इस बैठक में भाग लेने वाले गणमान्य व्यक्तियों में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, झारखंड विधानसभा के विधायक समरी लाल, धनबाद के पूर्व मेयर चंद्रशे-खर अग्रवाल, रांची के पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय, राजस्थान सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल, राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त मनीषा अरोड़ा, क्रेडाई की राजस्थान इकाई के चेयरमैन श अनुराग शर्मा, कई अन्य राजनीतिक नेता और मारवाड़ी समुदाय के व्यापारिक समुदाय के सदस्य शामिल थे।प्रवासी राजस्थानी समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा, ''मारवाड़ी और अनिवासी राजस्थानी (एनआरआर) समुदाय के सम्मानित सदस्य आगामी 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 को सफल बनाने की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। प्रवासी राजस्थानी समुदाय की व्यावसायिक कौशल और कारोबारी क्षमताओं का दुनिया भर में सम्मान किया जाता है। मैं इस समुदाय लोगों और उद्यमियों से आग्रह करता हूं कि वे अपने मूल राज्य राजस्थान के साथ फिर से जुड़े और प्रदेश की समृद्धि एवं आर्थिक पुनरुत्थान की यात्रा का हिस्सा बनें।''

इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा, ''मुझे मारवाड़ी और एनआरआर समुदाय के प्रति राजस्थान के मुख्यमंत्री शर्मा के प्रयासों को देखकर गर्व और खुशी हो रही है। इन्वेस्टमेंट समिट से पहले राजस्थान सरकार द्वारा की गई गहन तैयारियों और जमीनी कार्य से पैदा हुई चर्चा दूर-दूर तक फैल रही है। मैं झारखंड के व्यवसायिक समुदाय के सदस्यों से आग्रह करता हूं कि वे राजस्थान को एक संभावित और सबसे अधिक व्यापार-अनुकूल क्षेत्र के रूप में देखें और यहां निवेश करने की ओर बढ़ें।''इससे पहले, झारखंड पहुंचने पर माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों का भव्य स्वागत झारखंड के प्रवासी राजस्थानी और मारवाड़ी समुदाय के नेताओं ने रांची हवाई अड्डे पर किया। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, झारखंड विधानसभा के विधायक समरी लाल, भाजपा के प्रवासी प्रकोष्ठ (राजस्थान) के संयोजक कुमार लखोटिया, स्कूल शिक्षा के शासन सचिव श्री कृष्ण कुणाल, मुख्यमंत्री के विशिष्ट सचिव संदेश नायक, मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव सिद्धार्थ सिहाग, रांची के उप विकास आयुक्त दिनेश यादव एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के अंतर्गत राजस्थान सरकार देशी-विदेशी निवेशकों तक पहुंचने की लगातार कोशिशें कर रही है और इन्हीं प्रयासों का एक हिस्सा है प्रवासी/अनिवासी राजस्थानी समुदाय के साथ संपर्क बढ़ाना और इश समुदाय लोगों को उनके मूल राज्य राजस्थान में स्वागत करना, ताकि राजस्थान की तरक्की का हिस्सा बन कें और प्रदेश में मौजूद व्यावसायिक अवसरों का पता लगा सकें।हाल ही में, माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने सियोल, टोक्यो और ओसाका में आयोजित निवेशकों की बैठकों में भाग लेने के लिए दक्षिण कोरिया और जापान की यात्रा की थी। इस दौरान माननीय मुख्यमंत्री और प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य प्रवासी/अनिवासी राजस्थानी समुदाय के लोगों से भी मुलाकात की थी। इस दौरान माननीय मुख्यमंत्री ने एनआरआर समुदाय दुनिया के विभिन्न कोनों में अपना नाम बनाने और प्रसिद्धि की सराहना की थी और उन्हें राजस्थान की विकास की कहानी का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया था।रांची में आज आयोजित इस 'राइजिंग राजस्थान' प्रवासी और औद्योगिक सम्मेलन का आयोजन राजस्थान फाउंडेशन द्वारा झारखंड मारवाड़ी प्रांतीय सम्मेलन के सहयोग से किया गया था।

राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 एक नज़र में:

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर में होगा। इसका आयोजन राजस्थान सरकार के तत्वाधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन (बीआईपी) और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (रीको) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है।इस त्रि-दिवसीय मेगा समिट का उद्देश्य देश-विदेश की बड़ी-छोटी कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को राज्य में आ कर काम करने के लिए आमंत्रित करना, प्रदेश में विभिन्न तरह के उद्योग-धंधे लगाने में मदद करना और अन्य सुविधाएँ मुहैय्या कराना है। इस ग्लोबल समिट के दौरान कृषि, अक्षय ऊर्जा, शिक्षा और कौशल, ऑटो और ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल्स), इंफ्रास्ट्रक्चर, केमिकल और पेट्रो-केमिकल, पर्यटन, स्टार्टअप, खनन और ईएसडीएम/आईटी और आईटीईएस (ESDM/IT and ITeS) सहित विभिन्न क्षेत्रों पर विशेष सत्र का आयोजन होगा।

न्यूज़ अपडेट

मुंबई पर फिर मंडराया आतंकी हमले का खतरा, खूफिया एजेंसियों ने जारी किया अलर्ट

मुंबई/एजेंसी। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पर एक बार फिर से आतंकवादी हमले का खतरा मंडरा रहा है। देश की खूफिया एजेंसियों ने इसको लेकर अलर्ट जारी किया है।इसको देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई है और शहर की सुरक्षा-व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। जगह-जगह पर पुलिस बल तैनात किया गया है।इसके अलावा भीड़भाड़ वाली जगहों पर तलाशी अभियान के साथ मॉक ड्रिल करने के भी आदेश जारी किए गए हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, हमें भीड़भाड़ वाले इलाकों और धार्मिक स्थलों पर मॉक ड्रिल करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी पुलिस उपायुक्त अपने-अपने क्षेत्राधिकार में सुरक्षा की सक्रिय निगरानी कर रहे हैं। इसके तहत शुक्रवार को क्रॉफर्ड बाजार क्षेत्र में मॉक ड्रिल की गई है।उन्होंने कहा, मुंबई के मंदिरों को भी सतर्क रहने और ऐहतियात के तौर पर किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने को कहा गया है।

मुंबई दुर्गा पूजा, दशहरा और दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके अलावा, शहर नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए भी तैयारियों में जुटा हुआ है।अधिकारी ने कहा, आगामी त्योहारों और विधानसभा चुनावों को देखते हुए सुरक्षा अभ्यास कर रहे हैं। माटुंगा में सुबह पुलिस निरीक्षण के बाद मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया गया, जबकि चेंबूर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया है।

वित्त मंत्री सीतारमण के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर

चुनावी बॉन्ड के जरिए जबरन वसूली का आरोप

नईदिल्ली/एजेंसी।

बेंगलुरु की विशेष जनप्रतिनिधि अदालत ने शुक्रवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ चुनावी बॉन्ड के जरिए जबरन वसूली के मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।जनाधिकार संघर्ष परिषद के सह-अध्यक्ष आदर्श अय्यर ने विशेष जनप्रतिनिधि अदालत में सीतारमण और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।उस शिकायत में आरोप लगाया गया था कि वित्त मंत्री सहित अन्य चुनावी बॉन्ड का उपयोग करके धमकी देकर जबरन वसूली में शामिल थे।

अय्यर द्वारा दर्ज कराई गई गई शिकायत में भाजपा के कई बड़े नेता भी शामिल हैं, जिनमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कर्नाटक के पूर्व अध्यक्ष नलिन कुमार कटिल और बीवाई विजयेंद्र का भी नाम शामिल हैं।अदालत ने बेंगलुरु के तिलक नगर पुलिस थाना प्रभारी को चुनावी बांड के जरिए जबरन वसूली के मामले में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।अदालत ने अब इस मामले की सुनवाई 10 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी है।

स्नढ्ढक्र के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सीतारमण के इस्तीफे की मांग की है।सिद्धारमैया ने कहा, निर्मला सीतारमण के खिलाफ भी जनप्रतिनिधि अदालत में एफआईआर दर्ज है। चुनावी बॉन्ड से उनका (वित्त मंत्री का) क्या संबंध है? उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। क्या उन्हें भी अपना इस्तीफा नहीं दे देना चाहिए?बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी में चुनावी बांड योजना को असंवैधानिक बताते हुए इसे रद्द कर दिया था।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मामले में रूचि दिखाते हुए कार्रवाई कराने की योजना बनाई है। उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए का हवाला देते हुए 3 महीने के भीतर मामले पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।यह धारा लोक सेवकों को जांच से अतिरिक्त संरक्षण प्रदान करती है।उन्होंने कहा, अब, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के अनुसार ही मामले की जांच पूरी होनी चाहिए और 3 महीने के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए।

केंद्र सरकार ने 2018 में चुनावी बॉन्ड योजना शुरू की। इसके पीछे सरकार का उद्देश्य राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे में नकद दान को खत्म करना था, ताकि राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता बनी रहे।इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक के चुनावी बॉन्ड के जरिए लोग राजनीतिक दलों को चंदा दे सकते हैं, लेकिन इसका खुलासा नहीं किया जाता था।पिछले साल विपक्षी दलों ने इस योजना को बंद करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

दुनियाभर में बज रहा वंदे भारत का डंका, कनाडा और मलेशिया समेत इन देशों ने खरीदने में दिखाई दिलचस्पी

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेक इन इंडिया नीति का पूरी दुनिया में डंका बजने लगा है। तेजस फाइटर के बाद अब वंदे भारत ट्रेन पर दुनियाभर के देशों की नजर है। देश में वंदे भारत एक्सप्रेस तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं और कई रूट्स पर इसे चलाने की मांग बढ़ रही है। चिली, कनाडा और मलेशिया जैसे देशों ने वंदे भारत को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। सूत्रों के मुताबिक, वंदे भारत को खरीदने में दिखाई गई दिलचस्पी के कई कारण हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, इसमें सबसे बड़ा कारण वंदे भारत ट्रेन की लागत है, जहां अन्य देशों में निर्मित समान सुविधाओं वाली ट्रेनों की लागत 160-180 करोड़ रुपये के बीच होती है, वहीं भारत वंदे भारत का निर्माण बहुत कम कीमत पर हुआ है। भारत की वंदे भारत ट्रेन की कीमत 120 से 130 करोड़ रुपये है।

इसके अलावा, वंदे भारत गति पकडने़ के मामले में भी दूसरे देशों को मात दे रही है। सूत्रों की माने तो वंदे भारत को 0 से 100 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने में सिर्फ 52 सेकंड लगते हैं, जो जापान की बुलेट ट्रेन से भी अधिक है। बता दें, जापान की बुलेट ट्रेन को 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकडने़ में 54 सेकंड का समय लगता है।

पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 3 की मौत, 7 बुरी तरह झुलसे

सोनीपत/एजेंसी। हरियाणा के सोनीपत में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 3 लोगों की मौत हो गई है और 7 लोग झुलस गए हैं। मरने वालों में एक महिला और एक बच्चा शामिल है। तीसरे मृतक का शव अभी तक नहीं मिला है।घायलों में 7 महिलाएं हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।हादसे की वजह अभी साफ नहीं है, लेकिन बताया जा रहा है कि सिलेंडर में गैस लीकेज की वजह से फैक्ट्री में आग लग गई।

रिपोर्ट्र्स के मुताबिक, हादसा सोनीपत के रिढाऊ गांव में एक पटाखा फैक्ट्री में हुआ है। हादसे के बाद फैक्ट्री की पूरी इमारत गिर गई।धमाका इतना तेज था कि आसपास के कई घरों में दरार आ गई है।बताया जा रहा है कि गांव का रहने वाला वेद नाम का शख्स अपने घर में ही अवैध रूप से फैक्ट्री चला रहा था। फिलहाल वो फरार है।सूचना मिलते ही दमकल विभाग और बचाव टीम मौके पर पहुंची है।

देश को सशक्त स्त्री विमर्श की जरूरत

देश स्त्री उत्पीड़न की घटनाओं से चिंतित है। यह समाज और राज दोनों के लिए पीड़ादायी है। स्त्री उत्पीड़कों को दंडित करने के लिए अनेक कानूनी प्रावधान हैं। कानून पालन कराने वाले शासकीय तंत्र अपना काम कर रहा है। लेकिन समाज में ऐसी घटनाओं पर समुचित चिंतन नहीं हो रहा है। हम सहस्त्रों वर्ष प्राचीन राष्ट्र हैं। संस्कृति ही समाज की गतिशीलता तय करती है। संस्कृति ही राष्ट्रजीवन की संचालक है। स्त्री–पुरुष संबंधों पर वैदिक काल में काफी चिन्तन हुआ था। संस्कृति की महत्ता का चिंतन इसलिए और जरूरी है कि भारत का राष्ट्रजीवन संस्कृति और दर्शन के क्षेत्र में बहुप्रतिष्ठित था और समाज के नियमन का काम करता रहा है। स्त्री महत्ता और प्रतिष्ठा के अनेक सूक्त ऋग्वेद से लेकर आधुनिक काल तक विद्यमान हैं। स्मृतियों में दीर्घकाल तक अविवाहित बने रहने की आलोचना की गई है और गृहस्थ धर्म की प्रशंसा। विवाहित होना सम्मानीय था। एक सुंदर मंत्र में अग्नि से प्रार्थना है कि वह सभी देवों को पत्नी सहित लाएं। पत्नी हीन पुरुष को यज्ञ करने के अधिकार से वंचित किया गया है। भारतीय समाज में स्त्रियां प्रत्येक स्थिति में सम्मानीय रही हैं। वैदिक काल में स्त्री सम्मान की अनेक कथाएं चलती थीं। वैदिक काल की एक प्रतिष्ठित महिला मुद्‌गलानी हैं। वह रथ पर चढ़ कर युद्ध में हिस्सा लेती थीं। उनकी वीरता की प्रशंसा थी।

युद्ध के वर्णन में कहा गया है कि, ''युद्ध के समय उनके वस्त्रों का संचालन वायु देव ने किया था।'' ऋग्वेद के अनुसार युद्ध में विपशला का पैर कट गया। अश्वनी देवों ने उसे धातु का पैर लगा दिया था। पति और पत्नी को मिला कर दंपत्ति बनता है। दंपत्ति में नारी की प्रतिष्ठा है। दंपत्ति स्त्री–पुरुष दोनों से मिल कर बना है। ऋग्वेद में अनेक सूक्तों में किसी न किसी रूप में स्त्री सम्मान का तत्व मौजूद है। सृष्टि की उत्पत्ति जल से होने का तथ्य चार्ल्स डार्विन ने भी स्वीकार किया है। ऋग्वेद में 'आप: मातरम'– जलमाताओं को नमस्कार किया गया है। सृष्टि के आदितत्व की खोज महत्वपूर्ण अभिलाषा है। लेकिन उसे स्त्रीलिंग में याद करना स्त्री का आदर है। ऐसा यूनान में भी नहीं रहा। ऐसे ही ऋग्वेद में अदिति नाम की एक महादेवी अदिति हैं। वह अखंड अस्तित्व हैं। कहा गया है, ''इस अस्तित्व के सभी तत्व अदिति हैं। अब तक जो कुछ हो गया है और जो कुछ भविष्य में होगा वह सब अदिति है।'' ऋग्वेद का सूक्त पठनीय है। अदिति: द्यौ: अदिति: अन्तरिक्षं अदिति: माता स: पिता स: पुत्र: अदिति: विश्वेदेवा: अदिति: पंचजना: अदिति: जातम जनित्वम–द्युलोक अदिति है, अंतरिक्ष उसके नीचे है, वह भी अदिति है, माता–पिता–पुत्र सब अदिति हैं, सारे देव अदिति हैं, जो पंचजन सप्तसिन्धु में निवास करते हैं, वह सब अदिति हैं। जो कुछ उत्पन्न हुआ है और जो कुछ आगे उत्पन्न होगा, वह सब अदिति है। (ऋग्वेद 1.89.10) इस तरह एक अद्वैत शक्ति की अनुभूति देवी के रूप में की गई है। यूनानी देवतंत्र में अदिति के समान भाव और गूढ़ दार्शनिक अर्थ रखने वाली कोई भी देवी नहीं है।

विवाह नाम की संस्था का विकास धीरे–धीरे हुआ है। ऋग्वेद के रचनाकाल तक विवाह संस्था का समुचित विकास हो रहा था। ऋग्वेद में अनेक मंत्रों में विवाह की प्रतिष्ठा है। विवाह सूक्त के एक सुंदर मंत्र में नववधु को आशीर्वाद दिया गया है और नववधु को शुभकामनाएं देते हुए कहा गया है कि, ''यह नववधु दीर्घकाल तक जिए। दीर्घकाल तक काम करे। ससुर और सभी परिजनों पर शासन करे।'' यह भारतीय संस्कृति का प्राचीन तत्व है। परंपरा पीछे सहस्त्रों वर्ष से चली आ रही है। किसी स्त्री को तंग करने और परेशान करने की कोई छूट प्राचीन परंपरा में नहीं है। तुलसीदास जी ने स्त्री अपमान के विरुद्ध चौपाई में कहा है, ''अनुज बधू भगिनी सुत नारी/सुनु सठ ए कन्या सम चारी/इन्हहि कुदृष्टि बिलोकइ जोई/ताहि बधे कछु पाप न होई।–तुलसीदास ने स्त्री उत्पीड़क को सीधे मौत की सजा सुनाई है। कानून अपना काम करे और समाज अपना। समाज के लिए वर्तमान समय चुनौतीपूर्ण है। भारत में नारी की स्थिति सभी कालों में सम्माननीय रही है। उन्हें मातृशक्ति की संज्ञा दी गई है। पूर्वजों ने स्त्री को समाज का संरक्षक माना है। बृहदारण्यक उपनिषद के अनुसार एक समय राजा जनक ने विद्वानों की सभा बुलाई थी। बहुत दूर–दूर के विद्वान इस गोष्ठी में सम्मिलित थे। उनमें से एक गार्गी भी थी। विद्वानों की सभा में गार्गी ने याज्ञवल्क्य से सीधे सवाल पूछे थे। पूछा गया था कि, ''यह संपूर्ण अस्तित्व किस तत्व पर टिका हुआ है?'' गार्गी ने तमाम सवाल पूछे थे। उनमें से एक सवाल यह भी था कि, ''सृष्टि किस आधार पर खड़ी है।'' उत्तर दिया, ''जल पर।'' फिर पूछा गया कि, ''इस अस्तित्व को कौन देवता आधार देते हैं?'' गार्गी ने उत्तर के बाद कहा, ''जल किसमें आधारित हैं?'' गार्गी ने पूछा, ''इस विराट अस्तित्व का आधार क्या है?'' याज्ञवल्क्य ने उत्तर दिया ब्रह्म ही सबको धारण करता है। ब्रह्म ही सर्वोच्च हैं। गार्गी ने अगला प्रश्न पूछा कि, ''ब्रह्म किस पर आधारित हैं।

याज्ञवल्क्य ने कहा, ''ब्रह्म सर्वोच्च हैं। ब्रह्म ही भिन्न रूपों में प्रकट होते हैं। हे गार्गी ब्रह्म को लेकर सवाल नहीं पूछा करते। ब्रह्म का कारण ब्रह्म हैं। संसार के सभी कारक तत्व ब्रह्म में सक्रिय हैं। ब्रह्म असीम हैं। अनंत हैं। गार्गी की प्रतिभा अद्भुत थी। राम–सीता की जोड़ी में सीता व राम दोनों की विशिष्टता देखी जाती है। कोई बड़ा या छोटा नहीं। सीता जैसा चरित्र दुनिया के किसी भी देश में नहीं मिलता। शिव–पार्वती में पार्वती प्रथमा हैं और वह सभी अवसरों पर शंकर जी से विभिन्न विषयों पर गहन प्रश्न पूछा करती हैं। कैकई और दशरथ के कथानक में कैकई विचारणीय हैं। भारतीय परंपरा व साहित्य में सर्वत्र स्त्री सम्मान की गूंज है। यत्र नारी अस्तु पूजते रमंते ततदेवता–जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता रहते हैं। नारी माता हैं। अनेक प्रतीकों में स्त्री को मां कहा गया है। माता से बढ़ कर दूसरा कोई प्रतीक नहीं है। यहां भारत को भी भारत माता कहा गया है। अथर्ववेद के भूमि सूक्त में पृथ्वी को माँ बताया गया है। अधिकांश नदियों को भी हम माता ही कहते हैं। वैदिक काल में यज्ञ की अतिरिक्त प्रतिष्ठा रही है। यज्ञ विधान के अनुसार पूजा में पत्नी की उपस्थिति अनिवार्य है। अथर्ववेद के एक सुंदर मंत्र में ऋषि पत्नी से कहते हैं, ''तुम ऋक हो। मैं साम गान हूं। मैं अंतरिक्ष हूं। तुम पृथ्वी हो।'' भारतीय संस्कृति में मां सर्वोत्तम अनुभूति है। वह जननी है और स्त्री है। हम हिन्दू समाज के लोग अवतारवाद भी मानते हैं। संसार में अवतरित होने के लिए एक मां की आवश्यकता होती है।

बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्या के लिए जिम्मेदार कौन?

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

देश में बढ़ती जानलेवा बीमारियां, मानसिक तनाव, घटती जीवन प्रत्याशा और असमय मौत में हमारी आधुनिक जीवनशैली की खास भूमिका है। आधुनिक जीवनशैली जीने वाले युवाओं में दिल का दौरा पड़ने की संभावना अधिक होती है। छोटे बच्चों से लेकर किशोरवयीन युवाओं तक खेलते हुए चक्कर आकर गिरने की घटनाएं आजकल देखने–सुनने मिलती है, बैठे–बैठे लोग चक्कर आकर गिर जाते है और चिकित्सक बताते है कि हृदयघात हुआ है। बहुत बार आवश्यक आपातकाल चिकित्सकीय सहायता न मिलने के कारण जान चली जाती है। आज हम वो खा–पी रहे हैं जो पशु के खाने लायक भी नहीं है। हमारे पारंपरिक खाद्य पदार्थों की जगह पाश्चिमात्य फास्ट फूड और अस्वास्थ्यकर आहार आ गया है। छोटी–सी जबान के जायके के लिए सम्पूर्ण शरीर को नुकसान पहुंचाया जाता है। ये बड़ी दुख की बात है, कि हम खाद्य व्यंजनों का चयन स्वाद के आधार पर करते है, जबकि ये सर्वदा स्वास्थ्य के आधार पर होने चाहिए। अक्सर देखा जाता है कि अधिकतर लोग पेट भरने के लिए खाते है, लेकिन वे कितनी कैलरी, किस प्रकार, किस गुणवत्ता में ले रहे है, शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा लगातार बढ़ रही, पाचन तंत्र कमजोर हो रहा है, इसका विचार नहीं करते। भोजन में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी, अस्वच्छता, अशुद्ध हवा पानी, पर्याप्त नींद न लेना, बढ़ता वजन, व्यायाम की कमी, अशुद्ध वातावरण, शोर, काम का दबाव, घरेलू कलह, मानसिक तनाव, नशाखोरी से बीमारियां तेजी से बढ़ रही है। मानवीय शरीर पहले के दशक के मुकाबले कमजोर प्रतीत हो रहा है, अब मौसम बदलते ही मानवीय शरीर को विविध बीमारियां जल्द जकड लेती है, क्योंकि रोग प्रतिकारक शक्ति कम हो रही है। तले हुए खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत मांस, अतिरिक्त चीनी वाले खाद्य पदार्थ व पेय, वसायुक्त खाद्य पदार्थ, नमकीन पदार्थ, मैदा युक्त पदार्थ, सोडा, उच्च वसायुक्त डेयरी उत्पाद, आइसक्रीम, ट्रांस वसा, मक्खन, लाल मांस, आलू चिप्स, फ्रेंच फ्राईज, कुकीज़, पाम तेल, पिज़्ज़ा, बेकन, बेक्ड उत्पाद, सफेद चावल, सफेद ब्रेड, पास्ता, सॉसेज, पॉलिश अनाज, डिब्बाबंद सूप या फूड कंपनियों के प्रक्रिया किये गए पदार्थ, मानवीय शरीर के लिए अस्वास्थ्यकर होते है क्योंकि इनसे हमें आवश्यक पोषकतत्वों की जरुरत पूरी नहीं होती, इनका प्रयोग न हो तो बेहतर है, लेकिन चीनी और नमक का उपयोग बंद नहीं कर सकते, लेकिन मर्यादित करना या अन्य पर्याय जरुरी है। ये पदार्थ शरीर में स्लो पॉइजन के रूप में काम करते है और सीमा के बाहर होने पर शरीर में मौजूद खराब तत्व बढ़ते हुए मानवीय अंगो को विफल करते हुए घातक बीमारी में तब्दील हो जाते है।

भारत में अधिकांश मौतों और विकलांगताओं के लिए हृदय संबंधी बीमारियाँ जिम्मेदार हैं। साल 2022 में भारतीयों में दिल के दौरे में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि हुयी। अस्वास्थ्यकर आहार, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह और अधिक वजन ये जोखिम अब देश में कुल बीमारी के बोझ का एक चौथाई हिस्सा है। गैर–संचारी रोग देश में होने वाली सभी मौतों में से 60 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं। लगभग 5.8 मिलियन भारतीय हर साल हृदय और फेफड़ों की बीमारियों, स्ट्रोक, कैंसर और मधुमेह से जान गवांते है। कैंसर और मधुमेह की बढ़ती प्रवृत्ति के साथ–साथ हृदय रोग दो दशकों से ज्यादा समय से भारत में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक रहा है। विश्व स्तर पर 2021 में सबसे बड़ा हत्यारा इस्केमिक हृदय रोग रहा, जो दुनिया में होने वाली सभी मौतों में से 13 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है।

2022 में भारत में औसत जीवन प्रत्याशा 67.74 वर्ष थी। जबकि 2023 तक मोनाको में पुरुषों और महिलाओं के लिए 84 और 89 वर्ष थी, दक्षिण कोरिया, हांगकांग, मकाऊ और जापान में पुरुषों और महिलाओं के लिए जीवन प्रत्याशा क्रमश 81 और 87 वर्ष है। ग्रामीण क्षेत्रों में 17 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 29 प्रतिशत बुजुर्गों को पुरानी बीमारियाँ हैं। उच्च रक्तचाप और मधुमेह सभी पुरानी बीमारियों का कुल 68 प्रतिशत हिस्सा हैं। यह आश्चर्य की बात है कि हृदय रोग पश्चिम देशों की तुलना में भारत में 10–15 साल पहले होता है। भारत में हृदय रोगों के कारण 24.8 प्रतिशत मौतें होती हैं, इसके बाद श्वसन संबंधी 10.2 प्रतिशत मौतें होती हैं, जबकि जानलेवा और अन्य ट्यूमर के कारण 9.4 प्रतिशत मौतें होती हैं। लैंसेट अध्ययन में पाया गया कि 2019 में भारत में प्रदूषण के कारण 2.3 मिलियन से अधिक लोगों की असामयिक मृत्यु हुई। यूनिसेफ और खाद्य एवं कृषि संगठन की रिपोर्ट अनुसार, भारत देश में 45 प्रतिशत बच्चे अविकसित हैं और हर साल पांच साल से कम उम्र के 6 लाख बच्चे अपर्याप्त शुद्ध जल आपूर्ति, पोषक भोजन की कमी और अस्वच्छता के कारण जान गवांते है। शुद्ध पानी की कमी के कारण हर साल लगभग 2 लाख मौतें होती हैं। भारत में तनाव का स्तर संयुक्त राज्य अमेरिका सहित यूके, जर्मनी, फ्रांस, चीन, ब्राजील और इंडोनेशिया जैसे देशों की तुलना में अधिक है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस के नवीनतम 2023 इंडिया वेलनेस इंडेक्स के अध्ययनों के मुताबिक भारत में हर तीसरा व्यक्ति तनाव का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 77 प्रतिशत भारतीय नियमित आधार पर तनाव के कम से कम एक लक्षण का अनुभव करते हैं। भारत में मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की भारी कमी है, प्रति 1,00,000 लोगों पर केवल 0.07 मनोचिकित्सक और 0.12 मनोचिकित्सक नर्सें हैं। अक्सर, इन पेशेवरों के पास अवसाद से निपटने के लिए बहुत कम या कोई प्रशिक्षण नहीं होता है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन 2024 के अनुसार, दुनिया में भारतीयों की संख्या सबसे अधिक है, जो प्रति सप्ताह औसतन 45 घंटे से अधिक काम करते हैं, विशेषत निजी संस्थानों और व्यवसायों में। इसमें हमारा देश भूटान, लेबनान, लेसोथो, संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तान जैसे देशों से भी पीछे है। बड़े–बड़े कारखानों से रसायनयुक्त जहरीला पानी और धुंआ आसपास के वातावरण में जहर घोलता है। खेतों में भी बड़ी मात्रा में हानिकारक रासायनिक खादों का प्रयोग होता है। अभी हाल ही में नए अध्ययन से पता चला है कि भारत दुनिया में सबसे अधिक प्लास्टिक प्रदूषण पैदा करता है। देश में सभी प्रकार के प्रदूषण की भी गंभीर समस्या बनी हुई है। हानिकारक अपशिष्ट, मिलावटखोरी की गंभीर समस्या में भी हम अग्रणी है। शहरों की सड़कों पर लोगों की संख्या से ज्यादा गाड़ियों का जाम नजर आता है। अधिकतर राज्यों की कबाड़ बनी सरकारी बस और स्थानीय प्रशासन द्वारा संचालित बसे भी प्रदूषण करती हुई चल रही है। शहरों से होकर बहने वाली अधिकतर नदियाँ तो नालों के स्वरूप में दिखती है। निर्माण स्थल, फैक्ट्री एरिया में अधिकतर मजदूर बगैर मास्क के धूल भरे वातावरण में कार्य करते है। घटते वन, बढ़ते कंक्रीट के जंगल, कचरे के ढेर, ग्लोबल वार्मिंग ने जीव सृष्टि के लिए खतरा पैदा किया है। पूरे वर्ष पल–पल मौसम की स्थितियां बदलती रहती हैं, जिससे साल भर बीमारियों का वायरल चलता रहता है और देश में अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं के बावजूद लगातार अस्पताल मरीजों से हाउसफुल रहते है।

अब इसे नियमों का उल्लंघन कहे या लापरवाही लेकिन इसकी सजा हम सबके मानसिक– शारीरिक स्वास्थ्य को भुगतनी पड़ती है, आर्थिक नुकसान होता है वो अलग। क्या इसमें प्रशासन जिम्मेदार है जो मिलावटखोरी, प्रदूषण, भ्रष्टाचार पर पूर्णत नियंत्रण नहीं रख पा रहा है और सबके लिए पर्याप्त स्वास्थ सुविधा, पोषक आहार, शुध्द जल उपलब्ध नहीं कर पा रहा है। या वो स्वार्थी लोग जिम्मेदार है जो सिर्फ अपने फायदे के लिए गलत काम करके पर्यावरण और आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर नुकसान पहुंचाते है। या फिर हम लोग जिम्मेदार है, जो अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख सकते, क्योंकि अस्वास्थ्यकर आहार, आलस्य, नशाखोरी, अशुद्धता, आधुनिक जीवनशैली हमारे लिए जानलेवा होकर भी हम सुधर नहीं रहे। जिम्मेदारी सबकी है, हम सबको अमूल्य जीवन का मोल समझना होगा। अगर अभी भी जागे तो खुशहाल स्वस्थ भारत बनाकर हर साल स्वास्थ्य समस्याओं पर होने वाले अरबों डॉलर की भी बचत हो सकती है और बढ़ती गंभीर बीमारियों की गति भी धीमी की जा सकती है।

क्रियायोग की सरिता में डुबकी लगाने के लिए प्रोत्साहन

डॉ मंजु लता गुप्ता

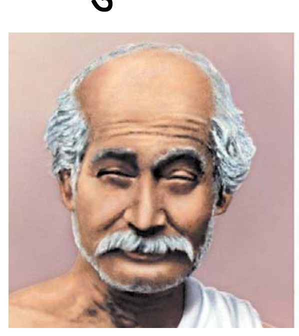

स ''पौराणिक कथाओं में जिस प्रकार गंगा ने स्वर्ग से पृथ्वी पर उतरकर अपने तृषातुर भक्त भगीरथ को अपने दिव्य जल से संतुष्ट किया, उसी प्रकार क्रियायोग रूपी दिव्य सरिता, हिमालय की गुफाओं से मनुष्य की कोलाहल भरी बस्तियों की ओर बह चली...''. कौन हैं ये, इस युग के भगीरथ, सांसारिक दुखों से त्रस्त जन–जन को आध्यात्मिक प्रोत्साहन प्रदान करने वाले संत? वे हैं लाहिड़ी महाशय, जिनका कहना था ंझ ''ईश्वरानुभूति के गुब्बारे में प्रतिदिन उड़कर मृत्यु की भावी सूक्ष्म यात्रा के लिए अपने को तैयार करो....क्रियायोग की गुप्त कुंजी के उपयोग द्वारा देह कारागार से मुक्त होकर परमतत्त्व में भाग निकलना सीखो।''

उन्होंने अपने विषय में लिखने के लिए अपने शिष्यों को सदा मना किया तथापि हम हृदय से आभार प्रकट करते हैं, 'एक अद्वितीय वृतांत' कहे जाने वाले उत्कृष्ट ग्रंथ 'योगी कथामृत' के लेखक परमहंस योगानन्द का, जिन्होंने अपनी इस पुस्तक के माध्यम से हमें इस ईश्वर सदृश ऋषि के बारे में जानने का सुवसर प्रदान किया। लाहिड़ी महाशय ने अपनी दूरदर्शिता से माँ की गोद में ही इस नन्हें शिशु मुकुन्द, जो बाद में योगानन्द बने, को पहचान लिया था और कहा था, ''छोटी माँ! तुम्हारा पुत्र एक योगी होगा। एक आध्यात्मिक इंजन बनकर वह अनेक आत्माओं को ईश्वर के साम्राज्य में ले जाएगा।'' और सचमुच इस भविष्यवाणी को साक्षात कर योगानन्द ने हममें से प्रत्येक के लिए, योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इण्डिया (वाईएसएस) और विश्व स्तर पर सेल्फ–रियलाइज़ेशन फ़ेलोशिप (एसआरएफ) की स्थापना की, जो पिछले सौ से भी अधिक वर्षों से इस महान् ध्यान की प्रविधि, जो गणित के समान काम करती है, को सिखाने का काम कर रही है। 30 सितंबर 1828 को लाहिड़ी महाशय अपने जन्म से ले कर 26 सितंबर 1895 को अपनी सांसारिक देह को त्याग करने के पश्चात भी सदा सर्वव्यापक चेतना में वास करते हुए क्रियायोग अभ्यासियों के संरक्षण का जिम्मा ले, परामर्श दिया कि ''यह याद रखो कि तुम किसी के नहीं हो और कोई तुम्हारा नहीं....किसी दिन तुम्हें इस संसार का सब कुछ छोड़कर चल देना होगा, इसलिए अभी से ही भगवान को जान लो।'' वे कहते थे ''ध्यान में अपनी सभी समस्याओं का समाधान ढूंढ़ो।'' लाहिड़ी महाशय ने गृहस्थ जीवन का अनुसरण करते हुए संतुलित जीवन का सर्वोत्तम उदाहरण आज के युग के लोगों के समक्ष प्रस्तुत किया। कमल के समान इस संसार की दलदल से पृथक, आंतरिक वैराग्य के साथ ईश्वरीय चेतना में रहने वाले इस महान् गुरु ने आश्वस्त किया कि ईश्वर से संपर्क आत्म प्रयास से संभव है।

उनकी पत्नी काशिमणि बताती हैं – ''उन्होंने मेरे ललाट को स्पर्श किया। घूमते हुए प्रकाश–पुंज मुझे दिखाई देने लगे; धीरे धीरे वह सारा प्रकाश जगमगाते नीले रंग के आध्यात्मिक नेत्र में परिवर्तित हो गया जिसके चारों ओर सुनहरा गोला था और बीच में एक सफेद पंचकोणीय तारा।'' माता काशीमणि को यह अधिचेतन अनुभव प्रदान कर लाहिड़ी महाशय ने कहा, ''अपनी चेतना को उस तारे में से अनंत के साम्राज्य में ले जाओ।''

ऐसे सर्वज्ञ गुरु का मानसदर्शन कर आइए हम भी इन आध्यात्मिक स्पंदनों से भरी इस पावन बेला में उनके आविर्भाव दिवस और समाधि दिवस में शामिल होकर ईश्वर के साथ एकरूपता के प्रकाश–पुंज के दर्शनों की पुष्टि करें।

नागरिक करें देशभक्तों का तर्पण

डॉ. प्रभात ओझा

शीर्षक में दिया सुझाव प्रेरक लग सकता है। देशभक्ति के ज्वर में यह भी क्यों न हो! श्राद्ध और पितरों के तर्पण के मामले में लोग पहले से अधिक जानकार हो रहे हैं। इस कार्य में व्यापकता आई है। परंपराएं बताती हैं कि जिनके वशंज नहीं हों, ऐसे लोगों का तर्पण उनके जानने वाले कर सकते हैं। जिनके निधन की तिथि पता न हो, उनका तर्पण अमावस्या के दिन करने का विधान है। इस बार अमावस्या 02 अक्टूबर को है। संयोग ही है कि यह महात्मा गांधी और प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती है। संभव है कि गांधी–शास्त्री के परिजन अपने पितरों का तर्पण करते हों। हम भी करें, तो हर्ज नहीं। फिर यह सुझाव तो ऐसे सभी सेनानियों और सीमाओं पर बलिदान देने वालों के लिए है।

महाभारत के तेरहवें अध्याय में जरत्कारु ऋषि का संदर्भ आता है। संन्यासी जरत्कारु को पेड़ से लटकती आत्माएं दिखीं। पूछने पर उन्होंने बताया कि उनके कुल में एक ही व्यक्ति बचा है और वह जरात्कारु है। वह तर्पण करे तो आत्माओं को शांति मिले। इस पर ऋषि पुनः गृहस्थ हुए और उन्होंने पितरों का तर्पण सम्पन्न किया। कहने का आशय यह कि जिनके वंशज किसी कारण श्राद्ध नहीं कर सके अथवा जिन्होंने देश–समाज के लिए अविवाहित रहते अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, उनका तर्पण कौन करे। परंपराएं ही बताती हैं कि श्राद्ध स्थलों पर उन आत्माओं का भी तर्पण किया जाता है, जो आपसे किसी भी तरह जुड़े रहे हों। ऐसे लोग आपके आसपास के अथवा आपके अनुचर भी हो सकते हैं। यहां तक कि पालतू पशुओं तक के तर्पण का विधान है। यहीं रुककर सोचिए, जिन्होंने देश–समाज के लिए अपना बलिदान किया, उनका तर्पण हम क्यों न करें। आखिर देश के लिए समर्पित हर व्यक्ति हमारा ही तो है। एक तर्क आड़े आता है कि क्या किसी भी तरह का तर्पण उन लोगों तक पहुंचता है, जिनके लिए यह किया जाता है। यहीं पर 'श्राद्ध' शब्द से संतुष्टि मिलती है। हमारे यहां परंपराओं का विरोध फैशन–सा हो गया है। यहां कुछ तथ्य ध्यान में लाना चाहिए। क्या जो लोग कथित रुढ़ियों से तंग आकर धर्म परिवर्तन करते हैं, नयी जगह जाकर वहां की परंपरा का पालन नहीं करते! किसी भी पश्चिमी देश का उदाहरण लें। क्या किसी के चित्र के सामने फूलों का गुच्छा रखना उसकी आत्मा के प्रति श्रद्धा नहीं है।

इस पुनीत कार्य को पूरी तरह समझना तभी सम्भव हो पाता है, जब हम इसके उद्देश्य पर ध्यान दें। एक मनःस्थिति में यह लग सकता है कि इस तरह के कर्मकांड निराधार हैं। उसी तरह जैसे श्राद्ध के नाम पर फिजूलखर्ची। आमतौर पर उधार लेकर भी शादी–ब्याह की भव्यता के समाचार मिलते रहते हैं। जिन्होंने अपने माता–पिता को परेशानियों में भी अपनी संतानों के विवाह में खर्च करते देखा है, वे भला क्या करें। ऐसे माता–पिता के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का मामला हो तो वे पीछे कैसे रहें। फिर भी यह सवाल काफी हद तक सही भी है कि कर्ज लेकर पितरों के तर्पण से क्या पितृगण प्रसन्न होंगे? जवाब भी परंपराओं में ही है। जरूरी नहीं कि आप तर्पण के लिए विशेष स्थानों पर ही जाएं। पास के जलाशय अथवा वह भी दूर होने पर घरों में बैठ कर भी यह सम्पन्न किया जा सकता है। श्रद्धा से ही श्राद्ध है, फिर श्रद्धा कहीं से भी व्यक्त करें! ऐसी श्रद्धा देशभक्तों के लिए भी हो!

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से जुड़े रहे हैं।)

परंपरागत दुर्गा पूजा में विघ्न डाल रहे हैं कट्टरपंथी!

मनोज कुमार अग्रवाल

इस बार बांग्लादेश में शारदीय नवरात्रि पर होने वाली दुर्गा पूजा कट्टरपंथी लोगों के निशाने पर है। बांग्लादेश से प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्वासन के बाद वहां हिन्दू विरोधी कट्टरपंथी ताकतों द्वारा कदम कदम पर हिन्दुओं का सामाजिक धार्मिक सामुदायिक दमन किया जा रहा है। बांग्लादेश में एक बार फिर हिंदू समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। राज्य में इस्लामी कट्टरपंथी समूहों ने हिंदूओ के कई मंदिरों और समितियों को धमकी भरे पत्र भेजे हैं। जिनमें 5 लाख बांग्लादेशी टका की मांग की गई है। इस पत्र में कहा गया है कि अगर ये रकम नहीं भेजी गई तो उन्हें पूजा नहीं करने दी जाएगी। हिंदू समुदाय के सदस्यों का कहना है कि दुर्गा जी की प्रतिमा को तोड़ने और जबरन वसूली के लिए उन्हें कई ऐसी ही धमकियां मिली है।इन धमकियों के चलते बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के आयोजन पर संकट व असुरक्षा का माहौल बना है हालांकि अतीत में मुगल काल में भी मौजूदा बांग्लादेश में दुर्गा पूजा की जाती रही थी।

आपको बता दें कि दुर्गा पूजा का उत्साह केवल भारत में ही नहीं, बल्कि हमारे पड़ोसी बांग्लादेश में भी माँ दुर्गा की पूजा बड़े आयोजन के रूप में होती है। सिर्फ हिंदू समुदाय ही यह त्योहार नहीं मनाते, बल्कि लिबरल मुसलमान भी इसमें बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। वहां यह अब एक सार्वभौमिक त्योहार है। यह जानना काम सुखद नहीं है कि 2022 में बांग्लादेश में 32,168 दुर्गा पंडाल लगाए गए थे। अकेले ढाका में पूजा पंडालों की संख्या 241 थी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में स्थित ढाकेश्वरी मंदिर इस बात का प्रमाण है कि इस क्षेत्र में माँ दुर्गा की उपासना सदियों से होती चली आ रही है। माना जाता है कि ढाकेश्वरी मंदिर की स्थापना 12वीं शताब्दी में बल्लाल सेन नाम के एक हिंदू राजा ने की थी। बल्लाल सेन को माँ दुर्गा ने सपने में आकर कहा था कि उनकी प्रतिमा पास के जंगल के एक विशेष स्थान पर दबी हुई है, वह उस प्रतिमा को वहां से लेकर मंदिर में स्थापित करें।

ढाकेश्वरी माँ के नाम पर ही बांग्लादेश की राजधानी का नाम ढाका पड़ा, ऐसी मान्यता है। तभी से ढाका में माँ दुर्गा की यह पारंपरिक पूजा होती आ रही है। बांग्लादेश में ढाकेश्वरी मंदिर के अलावा सिद्धेश्वरी मंदिर, रमना काली मंदिर और रामकृष्ण मिशन मंदिर भी दुर्गा और काली पूजा के लिए विश्वविख्यात है। सिलहट जिले के पंचगांव की दुर्गापूजा लगभग 300 साल पुरानी है। यह पूरे उपमहाद्वीप में एकमात्र लाल रंग की दुर्गा हैसच कहे तो आज जिस रूप में हम दुर्गा पूजा का आयोजन करते हैं, उसकी शुरुआत बंगाल से हुई। आज भी धूमधाम और भव्यता में कोलकाता की दुर्गापूजा का कोई मुकाबला नहीं है। भारत विभाजन से पहले बांग्लादेश भी बंगाल का ही हिस्सा था, इसलिए संस्कृति भी एक ही थी। पहले पूर्वी बंगाल के रूप में पाकिस्तान का हिस्सा बना और फिर 1971 में स्वतंत्र देश बन गया। इधर के कुछ वर्षों में बांग्लादेश में भी इस्लामिक कट्टरपंथी सर उठाने लगे हैं। दुर्गा पूजा के पिछले कुछ आयोजनों में विघ्न प्रयास किए गए। पिछले साल तो किसी कट्टरपंथी ने पंडाल में कुरान की प्रति रख दी और अफवाहें फैला दीं। कई जगह पंडाल में तोड़ फोड़ भी की गई। लेकिन प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्वासन के बाद कट्टरपंथी ताकतों ने हिन्दुओं पर बड़े पैमाने पर हिंसा आगजनी घरो में आगजनी महिलाओं खासकर नाबालिग लड़कियों के साथ दरिंदगी पूजा स्थलों पर तोडफ़ोड़ मूर्ति भंजन की वारदातों को अंजाम दिया गया।

हाल ही में कट्टरपंथी तत्वों ने एक पत्र भेज कर खुली अवैध वसूली और धमकी देने का एलान किया है। इन तत्वों ने चेतावनी दी है कि 'अगर आप दुर्गा पूजा मनाना चाहते हैं, तो हर मंदिर समिति को 5 लाख टका दान देना होगा। अगर आप इसका पालन नहीं करते हैं, तो आप उत्सव नहीं मना पाएंगे। हम जो जगह बताएंगे, वहां एक हफ़्ते के अंदर पैसे जमा कर दें। याद रखें, अगर आपने प्रशासन या प्रेस को बताया, तो हम आपको टुकड़े–टुकड़े कर देंगे।'

चेतावनी पत्र में आगे लिखा है, 'हम अल्लाह की कसम खाते हैं, अगर हमें पैसे नहीं मिले, तो हम तुम्हें टुकड़े–टुकड़े कर देंगे। हमारी नज़र तुम पर है।' दुर्गा पूजा से पहले तनाव के चलते बांग्लादेशी अधिकारियों ने देश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपायों को बढ़ाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा है कि दुर्गा पूजा पंडालों के आसपास सतर्कता बढ़ाई जाएगी। पुलिस महानिरीक्षक मोइनुल इस्लाम ने कहा कि दुर्गा पूजा समारोहों की अवधि के लिए तीन–स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था अपनाई जा रही है। यह मूर्ति विसर्जन (विसर्जन) तक लागू रहेगी।

अगर दुर्गा पूजा समितियों को कोई धमकी देती हैं तो वे आपातकालीन नंबर 999 पर संपर्क कर सकती हैं। दुर्गा पूजा के लिए सादे कपड़ों में सुरक्षाकर्मी, संकट प्रतिक्रिया दल और स्वाट को स्टैंडबाय पर रखा जाएगा। वहीं, डाकोप पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर–इन–चार्ज सिराजुल इस्लाम ने कहा, 'शुक्रवार को चार मंदिरों ने जीडी दर्ज कराई है। हम इस मामले की जांच कर रहे हैं और नियमित रूप से सेना दल के साथ गश्त कर रहे हैं।

यहां आपको बता दें कि पिछले दिनों शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद इस्लामी कट्टरपंथी हमलावरों ने पुलिस और सेना की मौजूदगी में हिन्दुओं के खिलाफ जमकर हिंसा की गई। बांग्लादेश की सरकार ने बाकायदा फरमान जारी कर हिंदुओं को आदेश दिया है कि दुर्गा पूजा पंडालों में बजने वाले म्यूजिक सिस्टम मस्जिदों में होने वाली अजान और नमाज के वक्त बंद कर दिए जाएं. बांग्लादेश की सरकार के इस तालिबानी फरमान का अब चौतरफा विरोध शुरू हो गया है।

बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक बांग्लादेश में गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने यह आदेश जारी किया है. मंगलवार को जारी किए गए इस फरमान में जहांगीर आलम ने कहा कि दुर्गा पूजा पंडालों के दौरान मस्जिद में अजान से 5 मिनट पहले म्यूजिक सिस्टम को बंद करना अनिवार्य होगा. इसके बाद जब तक मस्जिदों में नमाज चलेगी, तब तक पंडालों में बजने वाले सभी म्यूजिक सिस्टम और लाउडस्पीकर बंद रहने चाहिएं. बांग्लादेश की यूनुस सरकार के इस तालिबानी फरमान का भारत में विरोध शुरू हो गया है. इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने एक्स पर पोस्ट कर इस आदेश पर विरोध जताया. पोस्ट में दास ने लिखा, बांग्लादेश में गृह मंत्री के सलाहकार फरमान जारी कर रहे हैं कि हिंदुओं को अजान से 5 मिनट पहले अपनी सभी पूजा– अनुष्ठान और संगीत बंद कर देना चाहिए वरना उनकी गिरफ्तारी हो सकती है. ये नया तालिबानी बांग्लादेश है।

इन हालातों में क्या हजारों साल से चली आ रही दुर्गा पूजा इस साल परम्परागत उत्साह से संपन्न हो पाएगी इस मे संदेह की काफी गुंजाइश है लेकिन अजब दुर्योग कहा जाए कि बांग्लादेश में हिन्दूओं के साथ बर्बरता की वारदातों के बावजूद भारत में भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश की टीम के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेल रही है और बांग्लादेश में हो रही अराजकता के खिलाफ तनिक भी विरोध नहीं जता रही है। सेकुलरिज्म ने हमारे राष्ट्रीय चरित्र और चेतना को किस हद तक करंट प्रूफ या पतन किया है यह इस बात का सटीक सत्यापन है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

भरतपुर सांसद संजना जाटव बनी संसद की जल संसाधन समिति की सदस्य

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। प्रदेश कांग्रेस महासचिव गिरीश जौहरी ने जानकारी देते हुए बताया कि देश की सबसे युवा दलित महिला सांसदों में से एक भरतपुर सांसद संजना जाटव को संसद में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। संजना को संसद की जल संसाधन समिति का सदस्य बनाया गया है। कमेटी में शामिल होने पर उन्होंने कहा कि मुझे समिति ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन ईमानदारी से करूंगी। सांसद संजना जाटव ने बताया कि मैं लगातार भरतपुर संसदीय क्षेत्र में पानी की समस्या को संसद में उठने का कार्य कर रही थी। यहीं वजह है कि जल संसाधन समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। इस कमेटी के माध्यम से लोकसभा क्षेत्र और राजस्थान में पानी की समस्या से अवगत कराने का कार्य करूंगी। जिस कमेटी का संजना को सदस्य बनाया गया है, वह नमामि गंगे समेत देशभर में सिंचाई और पानी से जुड़ी समस्या को देखती है।

किसान मोर्चा ने सदस्यता अभियान को लेकर श्रवण सिंह दासपा को दी प्रदेश मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी

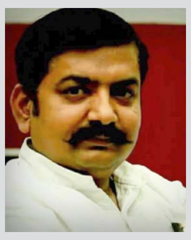

चमकता राजस्थान/जयपुर, 28 सितंबर 2024। भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा ने सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश मॉनिटरिंग टीम का गठन किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने निर्देशानुसार केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने अभियान की मॉनिटरिंग के लिए श्रवण सिंह दासपा को प्रदेश मॉनिटरिंग प्रभारी बनाया है। किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री रेवंत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि प्रदेश मॉनिटरिंग टीम के प्रभारी श्रवण सिंह दासपा के नेतृत्व में सभी सातों संभाग स्तर पर प्रदेश मॉनिटरिंग सदस्यों की भी घोषणा की गई है।

अभियान के प्रदेश मॉनिटरिंग प्रभारी श्रवण सिंह दासपा ने बताया कि सत्येंद्र त्यागी को भरतपुर, जगदीश यादव को जयपुर, पवन कुमार को अजमेर, गुरजन्ट सिंह धालीवाल को बीकानेर, राजेश ढाका को कोटा, दिपांशु जैन को उदयपुर और पुष्पा राठौड़ को जोधपुर संभाग का मॉनिटरिंग सदस्य बनाया गया है।

आजाद फार्म हाउस के पौधों को काटने को लेकर पुलिस ने लिया संज्ञान

- **मौके पर पहुंचकर सीओ भुसावर ने कहा जो भी अपराधी होगा उसको बक्शा नही जायेगा**

चमकता राजस्थान। वैर (राजवीर सिंह)। वैर हंतरा रोड़ मार्ग पर स्थित उनापुर बंसल पेट्रोल के पास आजाद फार्म हाउस में लगे अशोक के पौधों सहित अन्य मौजूद हरे पौधों को प्रकृति के दुश्मनों ने काट दिया जिसको लेकर आजाद फार्म हाउस के मालिक विजेंद्र उर्फ बंटी आजाद ने वैर हंतरा रोड़ पर बने अपने आजाद फार्म से कटे हुए हरे पौधों को लेकर नाम दर्ज नजदीकी थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। जिसमें पुलिस ने संज्ञान लेते हुए पुलिस उपाधीक्षक भुसावर धर्मेंद्र कुमार ने बीते कल 28 सितंबर 2024 ने आजाद फार्म हाउस का मौका मुहाना किया गया। इस मौके पर सीओ भुसावर ने कहा कि जांच कर प्रकृति दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी। और जो भी इस मामले में आरोपी संलिप्त होगा उसको बक्शा नही जायेगा।इस मौके पर बीरबल नंबरदार, लहरी पचौरा, बच्चू सिंह, निर्भय उप सरपंच, महेश मेंबर, अरविंद गुलबारिया, राकेश पचौरा, पिंटू चरणदास आदि मौजूद थे।

पर्यटन के साथ स्थानीय कलाकारों और हस्तशिल्प को भी बढ़ावा मिले : दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर, 28 सितम्बर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शासन सचिव पर्यटन. कला एवं संस्कृति व पुरातत्व रवि जैन, पर्यटन आयुक्त विजयपाल सिंह तथा राजस्थान पर्यटन विकास निगम की प्रबंध निदेशक श्रीमती सुषमा अरोड़ा की उपस्थिति में शनिवार को सचिवालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर अल्बर्ट हॉल पर आयोजित भव्य और सफल सांस्कृतिक संध्या की तर्ज पर अल्बर्ट हॉल पर प्रत्येक पखवाड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन किये जाने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को इस हेतु रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए। दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान के कलाकारों को ऐसे कार्यक्रमों के आयोजनों से प्रोत्साहन और रोजगार मिलेगा। उक्त अनुसार नियमित रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का बड़े स्तर पर आयोजन किये जाने से कला एवं संस्कृति का संरक्षण भी होगा। उन्होंने इस हेतु विस्तृत खाका तैयार किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे राजस्थान के पारम्परिक कलाकारों एवं यहां की कला एवं संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान के पर्यटन,कला संस्कृति के साथ ही हमें राजस्थान के फूड को भी आगे बढ़ाने का काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान के पर्यटन, कला संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए देश के अन्य शहरों और अन्य देशों के शहरों में भी इस प्रकार के आयोजन किए जाने चाहिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रचार प्रसार के पारम्परिक तरीके को बदलकर नये तरीकों से युवाओं पर लक्षित पर्यटन का प्रचार प्रसार करने पर ध्यान देना चाहिए। पर्यटन की दृष्टि से आज का युवा नये अनुभव करने के लिए उत्सुक रहता है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन विभाग के मुद्दे, भारत सरकार की योजनाओं स्वदेश दर्शन, प्रसाद योजना पर चर्चा कर निर्देश दिए। उन्होंने पर्यटन नीति, पर्यटन इकाई नीति, आरटीडीसी से सम्बंधित बिंदुओं,अल्बर्ट हॉल - नवीनीकरण, सांभर टेंट सिटी प्रोजेक्ट, लंदन - चर्चा बिंदुओं, खासा कोठी/रविन्द्र रंग मंच का नवीनीकरण की कार्ययोजनाओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने राइजिंग राजस्थान के तहत पर्यटन के क्षेत्र में निवेश की सम्भावनाओं पर चर्चा की।

समीक्षा बैठक में पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक राकेश शर्मा, अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक राजेश शर्मा, संयुक्त निदेशक श्रीमती पुनीता सिंह, संयुक्त निदेशक पवन जैन तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एनयूजेआई के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक और मीडिया संगोष्ठी आज भोपाल में

- **एनयूजे के पदाधिकारियों की मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव व विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात की।**

चमकता राजस्थान

भोपाल। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ जर्नलिस्टस की मान्यता प्राप्त संस्था नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्टएस इंडिया (एनयूजेआई) के पदाधिकारियों का एक दिवसीय अधिवेशन रविवार को भोपाल में होगा।

इस अधिवेशन में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय पदाधिकारी ही भाग लेंगे ।

इस मौके पर मीडिया के बदलते परिदृशय और चुनौतियों के संबंध में एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया है। संगोष्ठी में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पत्रकार भी शामिल होंगे। संगोष्ठी की अध्यक्षता मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार रासबिहारी करेंगे । कार्यक्रम में मध्य प्रदेश की ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता - मीडिया पेनलिस्ट अश्वनी दुबे, नेशनल यूनियन ऑफ जनरल लिस्ट के राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप तिवारी, एब्सलयूट ग्राम्य प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष डॉक्टर पंकज शुक्ला , प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मध्य प्रदेश जोन की प्रमुख डॉक्टर बी के रीना , उत्तर प्रदेश के पूर्व सूचना आयुक्त वीरेंद्र सक्सेना भी शामिल होंगे।

यह जानकारी नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट की मध्यप्रदेश शाखा के कोषाध्यक्ष डॉ सोलंकी और राज्य कार्यकारिणी सदस्य अरुण कुमार तिवारी ने दी। नेशनल यूनियन ऑफ जनरलिस्ट के राष्ट्रीय पदाधिकारी की बैठक और मीडिया के बदलते परिदृशय और चुनौतियों के संबंध में संगोष्ठी 29 सितंबर को प्रातः 11:00 बजे भोपाल के होटल लेक व्यू अशोक रेजिडेंसी में प्रारंभ होगी। उधर, बैठक में आए एनयूजेआई के पदाधिकारियों ने शनिवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव व विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से मुला×कात की और पत्रकारों से जुड़े मुद्दों से अवगत कराया।

स्काउट गाइड शिविर में सीवरेज प्रणाली का महत्व बता कर दिया स्वच्छता का संदेश

चमकता राजस्थान। भरतपुर। शहर में आर.यू.आई.डी.पी. चतुर्थ चरण अन्तर्गत राजुल कुमार, अधिशाषी अभियन्ता के मार्गनिर्देशन के क्रम में जनजागरुकता एवं जनसहभागिता इकाई (कैप) द्वारा स्काउट व गाइड मण्डल मुख्यालय पर शिविर के दौरान सीवरेज प्रणाली के लाभ व इसका रख-रखाव विषय पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सोशल एक्सपर्ट मनीष कटारा ने उपस्थित सहभागियों को भरतपुर शहर में आरयूआईडीपी द्वारा सम्पादित किये जा रहे सीवरेज परियोजना कार्यो के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान कर इसके लाभों के साथ-साथ रख-रखाव के विषय में विस्तार से बताया। सी.एम.ई. सौरभ पाण्डेय ने बताया कि सीवरेज प्रणाली सामुदायिक स्वच्छता और गन्दे पानी के कारण होने वाली बीमारियों से बचाव के लिये किस प्रकार लाभदायक है, साथ ही समझाया कि सीवरेज प्रणाली की सफलता तभी है जब हम सभी मिलकर इसके रख-रखाव में सावधानी बरतें और सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार से कचरा सीवर लाईन में नही जाये। ए.एस.डी. सुरेन्द्रपाल ने सीवरेज कार्य से सम्बन्धित किसी शिकायत व सुझाव के लिये आमजन के लिये उपलब्ध टोल फ्री नम्बर के बारे बताया। मण्डल मुख्यालय पर कार्यक्रम का संचालन शिविर प्रभारी द्वारिका प्रसाद शर्मा, सौरभ शर्मा व मुरारी लाल शर्मा ने किया तथा स्काउट-गाइड सी.ओ. देवेन्द्र मीणा व सीमा रिजवी ने आयोजित सीवरेज जागरुकता कार्यक्रम में उपयोगी व जानकारीपूर्ण बताकर धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अन्त में शिविर में उपस्थित सहभागियों को सीवरेज प्रणाली सम्बन्धी पम्पलेट्स आदि का वितरण किया गया !

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बाड़ी में उच्चतम शिक्षा के लिए सराहनीय पहल

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। बाड़ी उपखण्ड की राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य विनोद कुमार शर्मा की अनोखी पहल पर 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के मासिक टेस्ट शुरू किए गए हैं! जिसमें अभिभावकों से छात्रों की कॉपियां पर हस्ताक्षर करवाकर उनको मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इन मासिक परीक्षाओं से बोर्ड परीक्षा में गुणात्मक शैक्षिक सुधार आवेगा तथा छात्राएं बोर्ड परीक्षाओं में अधिक से अधिक अंक प्राप्त करके अपना भविष्य उज्ज्वल बनायेंगी। छात्राओं को विद्यालय के द्वारा प्रश्न पत्र प्रिंट करवा कर दिये जा रहे है! और प्रतिमाह इसी तरह से मासिक टेस्ट बोर्ड परीक्षाओं तक आयोजित किए जाएंगे, इससे छात्राओं में परीक्षा के प्रति उत्साह देखा जा रहा है! तथा विषय अध्यापकों के द्वारा बोर्ड पैटर्न के अनुसार ही मूल्यांकन करके मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

नेट थिएट पर शास्त्रीय संध्या मधुवंती

- **जा जा रे कगवा संदेशवा पिया पास ले जा**

चमकता राजस्थान। जयपुर। ' नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रंखला में आज किशनगढ़ अजमेर के सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक जुगल किशोर ने राग पहाड़ी में एक ठुमरी जा जा रे कगवा संदेशवा पिया पास ले जा, दिन बीते मोरे तड़पत तड़पत,रतिया कटी तारे गिन गिन को मध्यलय में बड़े सुरीले अंदाज में प्रस्तुत कर दर्शकों की दाद पाई '

नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार जुगल किशोर ने अपने कार्यक्रम की शुरुआत राग मधुवंती में छोटा और बड़ा ख्याल विलंबितलय में काहे मान करे सखी री अब, बहुत दिनों से पिया घर आए, वा को मानावो धीरधरो को बड़े मनोयोग से गाकर अपनी गायकी का परिचय दिया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया '

इनके साथ तबले पर शाहिद हुसैन खान ने अपनी संगत से कार्यक्रम को परवान चढ़ाया '

कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी, संगीत विनोद सागर गढ़वाल,साउंड वीरेंद्र सिंह राठौड़ और मंच सज्जा जीवितेश शर्मा और अंकित शर्मा नोनू की रही '

निर्माणाधीन राजस्थान हाउस के सम्बन्ध में सार्वजनिक निर्माण विभाग ने दिया प्रस्तुतिकरण

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान हाउस के निर्माण में राजस्थानी कला शिल्प का उपयोग करने के दिए निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर, 28 सितम्बर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति व पुरातत्व रवि जैन, शासन सचिव सामान्य प्रशासन विभाग जोगाराम की उपस्थिति में शनिवार को सचिवालय में नई दिल्ली में निर्माणाधीन राजस्थान हाउस के सम्बन्ध में सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से प्रस्तुतिकरण दिया गया।

उपमुख्यमंत्री ने प्रस्तुतिकरण देखने के दौरान निर्देश दिए कि राजस्थान हाउस का राजस्थानी कला शिल्प का उपयोग करते हुए निर्माण किया जाना चाहिए तथा इसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए। उन्होंने राजस्थान हाउस को हेरिटेज लुक देने के निर्देश दिए।

दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि राजस्थानी निर्माण शैली का उपयोग किए जाने से जहां राजस्थान की कला संस्कृति की इसमें झलक दिखेगी वहीं राजस्थानी कलाकारों को इससे काम मिलेगा जिससे उनको रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि निर्माण और साज सज्जा में मिरर वर्क, मोलेला वर्क तथा राजस्थानी हस्तशिल्प का उपयोग किया जाना है। उन्होंने रंग रंगीले राजस्थान के चमकदार रंगों भी निर्माण में का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान हाउस में राजस्थान की कला शिल्प का उपयोग होना चाहिए। निर्माण में राजस्थान के लोकल मटेरियल का उपयोग किया जाना चाहिए। उक्त भवन के निर्माण में राजस्थान की कला संस्कृति की झलक होनी चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने राजस्थान हाउस में डिजिटल लाइब्रेरी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्थान हाउस में ट्यूरिस्ट सेंटर, जनरल बिज़नेस सेंटर का भी निर्माण किया जाना है।

दिया कुमारी ने प्रस्तुतिकरण में राजस्थान हाउस का सम्पूर्ण ले आउट देखा।उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्थान हाउस एडवांस टेक्नोलॉजी की सुविधा से युक्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां राजस्थानी फूड की भी व्यवस्था होनी चाहिए।

स्वच्छता अभियान के तहत की मंदिर में सफाई

चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक श्रीनगर। अजमेर /नसीराबाद राजगढ़ भेरू धाम पर श्रीनगर विकास अधिकारी महेश चोधरी , सहायक विकास अधिकारी मनोज मौर्य, ग्राम विकास अधिकारी भवानी शंकर, सरपंच पुजा बालोटिया, सरपंच प्रतिनिधि समाज सेवी कमल बालोठिया, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने मीलकर आज मन्दिर परिसर में स्वच्छता ही सेवा अंतर्गत सफाई श्रमदान किया।

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा के लिए किया गया 631 यात्रियों का चयन

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग की ओर से जिले के वरिष्ठ नागरिकों की निःशुल्क तीर्थयात्रा के लिए शुरू की गई वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना की लॉटरी शुक्रवार को जिला कलक्टर कार्यालय में निकाली गई। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी द्वारा वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना की कंप्यूटर के जरिए लॉटरी निकालकर रेल एवं हवाई जहाज यात्रा के लिए मुख्य सूची एवं प्रतिक्षा सूची आरक्षित की गई। निरीक्षक देवस्थान विभाग ने बताया कि रेल मार्ग से यात्रा करने वाले 526 यात्रियों तथा हवाई यात्रा करने वाले 105 लोगों का लॉटरी से चयन किया गया। मुख्य सूची के अतिरिक्त रेल यात्रा हेतु 83 एवं हवाई यात्रा हेतु 105 लोगां की प्रतीक्षा सूची भी निकाली गई। रेल के जरिए रामेश्वरम, मदुरई, जगन्नाथपुरी, तिरूपति, द्वारकापुरा, सोमनाथ, वैष्णोदेवी, अमृतसर, प्रयागराज, वाराणसी, मथुरा, वृंदावन, सम्मेद शिखर, पावापुरी, उज्जैन, ओंकारेश्वर, गंगासागर, कामाख्या, हरिद्वार, ऋषिकेश, बिहार, शरीफ, बेलनकानी चर्च तथा हवाई जहाज के जरिए पशुपतिनाथ, कांठमांडु की यात्रा करवाई जाएगी। यदि आवेदक व उसके जीवनसाथी की आयु 75 वर्ष से अधिक है तो उन्हें एक सहायक ले जाने हेतु आयुक्त देवस्थान विभाग द्वारा अनुमत किया जा सकेगा। इस दौरान अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक मनोज शर्मा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद शीशराम यादव, संयुक्त निदेशक डीओआईटी बलभद्र सिंह, सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग लक्ष्मीकान्त त्यागी सहित अन्य मौजूद थे।

भारी बरसात से सोयाबीन ,की फसल हुई बर्बाद ,किसानों पर छाया संकट

- राज तो रूठा ,अब राम भी रूठा

चमकता राजस्थान / रमेश मोदी। गंगधार तहसील क्षेत्र में लगातार दो दिनों से हो रही भारी बरसात से किसान के चेहरों पर उदासी छा गई है ,सोयाबीन की फसल पककर तैयार हो गई ,अब कटाई के समय हो रही बरसात ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है खेतो में पानी भर गया है कटी फसल पानी मे डूब गई है , पहले से ही बाजार में सोयाबीन की कम कीमत ने किसानों की कमर तोड़ रखी है अब बरसात ने उनकी मुसीबत और बढ़ा दी है फसल गीली होने से उसकी गुणवत्ता में कमी आ जाएगी जिससे सही भाव नही मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी ,किसानों का कहना है कि राज तो रूठा ,अब राम भी रूठ गया है। इस आपदा की घड़ी में किसान संघों को राज्य सरकार से अपील करनी चाहिए की सरकार संज्ञान लेकर किसानों की स्थिति को देखकर तत्काल राहत प्रदान करे ,और फसल खराबे की मुआवजे की व्यवस्था करे ,जिससे नुकसान की भरपाई हो सके कई किसानों का कहना है कि उन्हें समय पर मदद नही मिलती है तो किसानों को कर्ज चुकाने में व अगली फसल की तैयारी में बड़ी समस्याओं का सामना करना पडेगा !

चूहों की रोकथाम हेतु कीटनाशक छिड़काव के कारण रामनिवास बाग रहेगा दो दिन बंद

चमकता राजस्थान । जयपुर!(खलील कुरैशी) 28 सितम्बर। जेडीए सचिव निशांत जैन ने बताया कि रामनिवास बाग में स्थित अल्बर्ट हॉल के सामने पक्षियों को दाना डालने, बाग परिसर में स्थित मंदिर व मजार के आसपास श्रद्धालुओं द्वारा भिखारियों को भोजन कराने व बाग में लगने वाले ठेले खोमचों द्वारा खाद्य वस्तुओं को बेचने के कारण बहुत अधिक संख्या में चूहे पनप गये है।चूहों की बढ़ती संख्या से रामनिवास बाग स्थित इमारतों व पेड-पौधों को भारी नुकसान होने के साथ ही साथ संक्रमण व महामारी फैलने की संभावना भी है, परिणामतः चूहों की रोकथाम हेतु पार्क में कीटनाशकों का उपयोग किया जाना प्रस्तावित है। कीटनाशकों की दुर्गन्ध से आमजन को होने वाली परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुये दिनांक 30.09.2024 से 01.10.2024 तक रामनिवास बाग को बंद रहेगा।

हरियाणा में अब बीजेपी चारों खाने चित : डोटासरा

चमकता राजस्थान

जयपुर 28 सितंबर । हरियाणा में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विदेश में देश विरोधियों से मिलने एवं हरियाणा में पहले नौकरी बिकने के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा कांग्रेस और राहुल गांधी की छवि खराब करने तथा अपना राजनीतिक स्वार्थ साधने के लिए यह सब कर रही है। डोटासरा ने हरियाणा में पत्रकारों से हूई बातचीत में कहा कि राहुल गांधी से भाजपा के लोग डरते है क्योंकि पहले इन लोगों ने झूठ बोलकर उनकी छवि खराब कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि अब दुबारा इसी षडयंत्र में लगे हैं लेकिन इस बार ये कामयाब नहीं होंगे क्योंकि यह सब सामने आ चुका है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अच्छे इंसान है, अच्छी सोच रखते और अच्छे लोगों से मिलते हैं तथा बिल्कुल सटीक एव सत्य बात कहते हैं, वह इन लोगों की तरह गुमराह नहीं करते हैं।

भजन लाल शर्मा के हरियाणा में एक चुनावी सभा में कांग्रेस सरकार के समय नौकरियों एवं जमीनों के घोटाले होने के बयान पर डोटासरा

ने कहा कि अब भाजपा की राजनीति में गिरावट आ गई हैं और उसने जनता से जो वादे किए वे सब एक्सपोज हो गये हैं क्योंकि वे सब झूठे वादे थे। भाजपा की सरकार भी विफल हो रही है और उसे ब्यूरोक्रेसी चला रही है। उन्होंने कहा कि अब उनका गुजरात मॉडल विफल हो गया है। डोटासरा ने आरोप लगाते हुए कहा कि चारों तरफ लूट मचा रखी और इलेक्टोरल बॉन्ड, राफेल घोटाला, सेबी घोटाला आदि यह सब सामने है।

अध्यक्ष डोटासरा ने कहा,हरियाणा में जब कांग्रेस की सरकार थी तब वहां किसानों एवं नौजवानों सहित सबके लिए काम हुआ, केवल यह कह देना कि पहले नौकरी बिकती थी। उन्होंने कहा कि अगर कोई गड़बड़ी थी तो पिछले दस साल से हरियाणा में भाजपा की सरकार हैं, क्यों नहीं एक भी मुकदमा दर्ज किया और गड़बड़ करने वाले को पकड़कर जेल में डाला। उन्होंने कहा कि चौटाला के समय गड़बड़ हुई तो वह जेल में हैं। डबल इंजन की सरकार होते हुए भी पिछले दस साल में कांग्रेस के समय के एक आदमी पर भी गलत नौकरी देने का आरोप नहीं लगा पाये और कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया और किसी को जेल में नहीं डाल पाये।

डोटासरा ने कहा कि भाजपा यह राजनीतिक स्वार्थ साधने के लिए झूठे आरोप लगा रही है और यह भाजपा की नीति है कि बार बार झूठ बोलो ताकि वह सच के नजदीक लगने लग जाये।

झड़वासा की छात्राओं ने जीता गोल्ड मेडल

चमकता राजस्थान /रघुनंदन पारीक श्रीनगर :

नसीराबाद झड़वासा कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने टुर्नामेंट में जिला हॉकी प्रतियोगिता में प्राप्त किया पहला स्थान प्रधानाचार्य कौशल्या यादव ने बताया की झड़वासा सीनियर विद्यालय की छात्राओं की विद्यालय की शारीरिक शिक्षिका आरती शेर के सानिध्य व कैप्टन अंकिशा चौधरी के नेतृत्व और महावीर भड़क के सहयोग से राष्ट्रीय खेल 17 वर्षीय हॉकी खेल प्रतियोगिता में झड़वासा की छात्रा खिलाड़ियों किरण गुर्जर, निशा नायक, भावना जाट, मंशा दरोगा, गुड्डी दरोगा, रिंकू गुर्जर, तान्या गुर्जर, रिया जांगिड़, कृष्णा मेघवंशी, हिना मेघवंशी, निरमा खारोल, ललिता खारोल, पूजा खारोल, सोनू गुर्जर, काली गुर्जर, सावत्री खारोल, खुशबु मेघवंशी ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता है जिससे पुरा झड़वासा व विद्यालय स्टॉफ ×खुशी से झूम उठा और सरपंच भंवर सिंह की अगुवाई व प्रधानाचार्य कौशल्या यादव व भवानी सिंह गौड ने शारीरिक शिक्षिका आरती शेर को साफा पहनाकर व सभी जिला स्तर पर विजेता हॉकी खिलाड़ियों का माला, दुपट्टा व तिलक लगाकर सम्मान किया व झड़वासा में डीजे के साथ बिंदोली निकाली गई जिसमें विद्यालय स्टॉफ, ग्रामीण व विद्यालय के अन्य छात्र व छात्राओं ने झूम झूम कर डांस किया और प्रधानाचार्य कौशल्या यादव ने बताया की उक्त खिलाड़ियों में से अंकिशा चौधरी, गुड्डी दरोगा, निरमा खारोल, किरण गुर्जर, मंशा दरोगा, भावना जाट व सावत्री खारोल का राज्य स्तर पर हॉकी प्रतियोगिता में चयन हुआ है

इस अवसर पर पूर्व सरपंच देवकरण गुर्जर, मांगीलाल जाट, शिवराज चौधरी, तेजमल जाट, भवानी सिंह गौड, राकेश पँवार व महावीर भड़क सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

युवा चेतना समिति व अन्न क्षेत्र फाउंडेशन जयपुर के सहयोग से प्राप्त खाद्य सामग्री का रेवई मैं हरजन बस्ती में वितरण

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण) जिला धौलपुर के बाड़ी उपखण्ड में आज युवा चेतना समिति बाड़ी धौलपुर एवं अन्न क्षेत्र फाउंडेशन जयपुर के सहयोग से प्राप्त खाध सामग्री बिस्कुट पैकिट रेवई जाटव बस्ती, हरिजन बस्ती में बितरण किये। बिस्कुट खाकर बच्चों के खिले चहरे। और बच्चों ने यह भी कहा कि हमने इतना महंगा बिस्कुट कभी नहीं खाया हैं।ना हमारे पापा कभी बाजार से लेकर भी नहीं आए, हमारी संस्था के द्वारा पिछले 15-20 वर्षो से गरीब, असहाय विकलांग, सपेरा बस्ती, गाड़ीया लुहार, हरिजन, दलित बस्ती बस्तीयो में बेसहारा लोगों की हमारी संस्था मदद करती है, इसी बीच संस्था के अध्यक्ष रामदास तरुण ने वहां जाकर उनके दुख - दर्द को सुना उनकी परेशानियो को समझा तथा उनके हक की लड़ाई में शामिल होने के लिए अस्वस्त किया ! और यह कहां कि आप अपने बच्चों को जरूर पढ़ाए! रोड़ खराब पड़ी हुई है, रोड बनवाने के लिए भी हम उच्च अधिकारियों से बात करेंगे, उसके लिए प्रयासरत हैं! डॉ. विवेक अग्रवाल जयपुर, रामदास तरुण अध्यक्ष, लक्ष्मी नारायण गौड सचिव, रामनिबास, सुरेश चदं सैमल, मनोज सरदार, राजेश, यशपाल चौधरी, कमला देवी, विश्वेन्द्रसिहं, लाखन सिंह, आशावाई, अनीता, कप्तान सिंह, मनीष बंसी, कमलेश, जोगिंदर, आदि मौजूद रहे।

कोटा शहर में थाना मकबरा पुलिस की कार्रवाई

घर में घुसकर रंजिशवश फायरिंग मामले में चार आरोपी गिरफ्तार, दो नाबालिग निरुद्ध, फायरिंग में पालतू डॉग की हो गई थी मौत

चमकता राजस्थान

जयपुर/कोटा! (खलील कुरैशी) 28 सितम्बर। कोटा शहर के मकबरा थाना इलाके में 25 सितंबर की रात घर में घुसकर फायरिंग करने के मामले में थाना पुलिस ने थाना कैथूनीपोल के हिस्ट्रीशीटर सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर दो नाबालिगों को बापर्दा निरुद्ध किया है। पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था, जिसमें एक पालतू डॉग की मौत हो गई थी।एसपी डॉ अमृता दुहन ने बताया कि पुलिस ने मामले में थाना कैथूनीपोल के हिस्ट्रीशीटर संदीप सोलंकी पुत्र दशरथ सिंह (35) निवासी मोखापाड़ा, विकास आर्य पुत्र जगदीश प्रसाद सोनी (28), निखिल आर्य पुत्र राकेश (30) निवासी ब्रजराजपुरा थाना मकबरा एवं गगन (बापर्दा) को गिरफ्तार किया है। संदीप सोलंकी के विरुद्ध थाना कैथूनी पोल में 12 एवं गगन के विरुद्ध विभिन्न थानों में हत्या का प्रयास व आर्म्स एक्ट सहित 6 प्रकरण दर्ज है।एसपी दुहन ने बताया कि 26 सितंबर को चौथ माता गली मकबरा निवासी जितेंद्र सिंह द्वारा रिपोर्ट दी गई कि कल रात 10:30 बजे उनके घर राहुल, मोनू व निखिल उसके भतीजे कृष्णा सिंह से मिलने आये थे। कुछ ही देर में संदीप सोलंकी हाथ में पिस्टल लेकर घर के अंदर आया। जिसने जान से मारने की नीयत से कृष्णा पर गोलियां चलाई। बीच में फालतू डॉग रॉक्सी के आ जाने से गोली उसके लग गई, जिससे उसकी मौत हो गई। फायरिंग की आवाज से गली में शोर होने पर आरोपी वहां से भाग गये।रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी व सीओ गरिमा जिंदल के सुपरविजन एवं एसएचओ वासुदेव सिंह के नेतृत्व में गठित की गई टीम द्वारा आसूचना संकलन एवं तकनीकी सहायता से फरार चल रहे आरोपी संदीप सोलंकी, विकास आर्य, निखिल आर्य व गगन को गिरफ्तार कर दो बाल अपचारियों को निरुद्ध कर लिया गया है।

रंजिश के चलते किया था जानलेवा हमला

» थाना कैथूनीपोल इलाके में 6 सितंबर को कृष्णा और आरोपी संदीप सोलंकी के भांजे तुषार के बीच में झगड़ा हुआ था। इस रंजिश के चलते संदीप सोलंकी ने पहले निखिल व अन्य को घर भेजकर मालूम किया कि कृष्णा घर पर है या नहीं। कृष्णा के घर होने पर आरोपी संदीप और उसके साथी पिस्टल, चाकू आदि लेकर उनके घर में गये और फायरिंग की। जिसमें गोली लगने से पालतू डॉग की मौत हो गई।

बीजेपी एससी मोर्चा ने राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में आरक्षण के विरोध में अशोभनीय टिप्पणी को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा भरतपुर द्वारा लोकसभा विपक्ष नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में आरक्षण के विरोध में अशोभनीय बयान के खिलाफ भाजपा कार्यालय भरतपुर पर अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष रामकिशन वर्मा के मुख्य आतिथ्य व भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज भारद्वाज की अध्यक्षता में पत्रकार वार्ता के साथ विशाल संगोष्ठी का आयोजन कर लोकसभा विपक्ष के कांग्रेस नेता राहुल गांधी की निंदा की गई।संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के चरणों में बैठकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर एससी मोर्चा के पदाधिकारी भाजपा प्रदेश सह संयोजक डॉ प्रोफेसर जग्गो सिंह, एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष दुर्गेश बुटोलिया, राकेश मूड़ोतिया, नेताराम जाटव, ओमप्रकाश कोली, विजय सिंह एडवोकेट, शिव सिंह,नेतराम विजेंद्र तेहरिया सहित एससी मोर्चा के सैकड़ों की संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जैसलमेर जिले में थाना कोतवाली पुलिस की त्वरित कार्रवाई

- सोनार दुर्ग परिसर में सन्दिग्ध डायरी रखने वाले आरोपी की पहचान कर किया गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर/जैसलमेर, (खलील कुरैशी) ! 28 सितंबर। जैसलमेर सोनार दुर्ग के दशहरा चौक परिसर में गुरुवार रात एक मोबाइल कवर में सन्दिग्ध डायरी व विजिटिंग कार्ड मिलने के मामले में थाना कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर सन्दिग्ध की पहचान कर आरोपी ईशाक खान उर्फ अशोक पुत्र इलियास खान निवासी मोहरी, बावड़ी कल्ला, थाना बाप जिला फलोदी हाल बबर मगरा थाना कोतवाली जैसलमेर को गिरफ्तार कर लिया है। जिससे पूछताछ की जा रही है।एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि गुरुवार, 26 सितंबर की रात सोनार किले के दशहरा चौक परिसर में एक मोबाइल कवर के अंदर सन्दिग्ध डायरी व विजिटिंग कार्ड मिलने पर सन्दिग्ध के बारे में जानकारी प्राप्त कर तत्काल गिरफ्तारी के विशेष दिशा निर्देश देते हुए सीओ राजेश कुमार शर्मा के सुपरविजन एवं एसएचओ कोतवाली सवाई सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।गठित विशेष टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण में सन्दिग्ध बाइक की पहचान कर आसूचना संकलन एवं तकनीकी सहायता के आधार पर दुर्ग में डायरी व डिब्बा रखने वाले आरोपी इशाक खान उर्फ अशोक को दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

बच्चों को आधार में अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन कराना आवश्यक

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण) की रिपोर्ट धौलपुर, 27 सितम्बर 24 को ऐसे बच्चे जिनका आधार 5 वर्ष से पहले बना था उन्हें 5 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर तथा 6 से 15 वर्ष के बच्चों को 15 वर्ष की आयु पूर्ण करने के पश्चात आधार में बायोमेट्रिक कराना अनिवार्य है। आधार में समय पर बायोमेट्रिक अद्यतन नहीं कराने पर आधार को इनएक्टिव किया जा सकता है। जिले के बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन कराने के लिए प्रत्येक बुधवार को कैम्पों का आयोजन किया जायेगा। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के संयुक्त निदेशक बलभद्र सिंह ने बताया कि आधार विनियम 2016 के नियम 17 के अनुसार बच्चों की बायोमेट्रिक जानकारी को पांच वर्ष की आयु और 15 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर अद्यतन करना आवश्यक है। जिले के 6-15 वर्ष और 15 वर्ष से अधिक की आयु के बीच के कुल 1 लाख 28 हजार 182 बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन लंबित हैं इस कारण निश्चित किया गया है कि जिले के आधार केंद्रों पर प्रत्येक बुधवार को कराये जाने हेतु कैंप का आयोजन किया जायेगा। जिले के सभी अविभावक आधार केंद्र पर अपने बच्चों को ले जाकर बायोमेट्रिक अद्यतन करा सकते हैं। कैंपों के आयोजन प्रत्येक बुधवार को राजीव गांधी सेवा केंद्र पंचायत समिति राजाखेडा, तहसील परिसर राजाखेडा, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत फरसपुरा, राजीव गांधी सेवा केंद्र पंचायत समिति बाड़ी, बीएसओ ऑफिस बाड़ी, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत गढ़ी सुक्खा, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत सेवर पाली, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत चिलाचौंद, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत फिरोजपुर, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत ओदी, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत खेरा, तहसील परिसर धौलपुर, राजीव गांधी सेवा केंद्र पंचायत समिति धौलपुर, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत मनियां, तहसील परिसर मनियां, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत पुरैनी, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत मढ़ा कांकोली, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत नुनहेरा, ग्राम पंचायत भवन सैंपऊ राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत दौनारी, उप तहसील बसईनवाब, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत सखवारा, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत बनोरा, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत बोरेली, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत धीमरी, तहसील समरमथुरा, नगर पालिका सरमथुरा, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत बरौली, राजीव गांधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत रहरई इत्यादि पर किये जायेंगे।

हरियाणा चुनाव : रॉबर्ट वाड्रा का पीएम नरेंद्र मोदी को खुली चुनौती

बोले- 'अगर मैं गलत हूं तो साबित करो"

आप नहीं कर सकते, क्योंकि मैंने कोई गलत काम नहीं किया है

राजनीतिक बदले की भावना से मुझे बनाया जा रहा है निशाना

नयी दिल्ली/एजेंसी।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने रॉबर्ट वाड्रा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा पर तंज कसा है। इसके जवाब में रॉबर्ट वाड्रा ने पीएम मोदी को चुनौती दी है। उन्होंने कहा, 'आप साबित करें कि मेरी कोई जमीन हरियाणा में है या मैंने कोई गलत काम किया है। आप नहीं कर सकते, क्योंकि मैंने कोई गलत काम नहीं किया है।' वाड्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री अपने भाषणों में लगातार उनका नाम लेते हैं। उन्होंने बताया कि मोदी की सरकार को दस साल हो गए हैं और सभी एजेंसियों ने जांच की, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। वाड्रा ने चेतावनी दी कि अगर कुछ है तो उसे साबित करें। वाड्रा ने यह भी कहा कि मोदी पिछले दस सालों से उन्हें फर्जी मुद्दों में उलझाए हुए हैं। हरियाणा में मनोहर लाल की सरकार ने खुद अदालत में लिखित में कहा था कि वाड्रा के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। वाड्रा ने पीएम मोदी से सवाल किया कि वे किस आधार पर आरोप लगा रहे हैं और किस चीज़ का इंतजार कर रहे हैं? इस तरह वाड्रा ने स्पष्ट किया कि उन्हें राजनीतिक बदले की भावना से निशाना बनाया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को लगाई फटकार, कहा 'आप कब तक...'

नयी दिल्ली/एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को एक आरोपी को चार्जशीट दाखिल किए बिना जेल में रखने के लिए फटकार लगाई है। कोर्ट ने कोयला घोटाला मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तत्कालीन सचिव सौम्या चौरसिया को अंतरिम जमानत दे दी है। डेढ़ साल से जेल में बंद सौम्या ने हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुनवाई के दौरान जस्टिस भुयान ने कहा, 'आप एक महिला को कितने समय तक हिरासत में रख सकते हैं? पांच साल, सात साल? वह एक साल और नौ महीने से ज़्यादा समय से हिरासत में है और उसके खिलाफ़ आरोप तय होना अभी बाकी है, और मुकदमा भी शुरू नहीं हुआ है। आप आरोप तय किए बिना किसी व्यक्ति को कितने समय तक जेल में रख सकते हैं?' कोर्ट ने मामले की मेरिट पर कोई टिप्पणी किए बिना सौम्या को निचली अदालत द्वारा तय शर्तों के अधीन अंतरिम ज़मानत दे दी है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि अंतरिम ज़मानत के आधार पर याचिकाकर्ता को सेवा में बहाल नहीं किया जाना

आरोपी ने किया चौंकाने वाले खुलासे

एक दिन चादर से लपेटकर रखी लाश, मक्खियां आने पर टंकी में डाला

भोपाल/एजेंसी।

भोपाल के शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित वाजपेयी नगर मल्टी में रहने वाली पांच साल की मासूम की दुष्कर्म के बाद हत्या करने के सनसनीखेज मामले में लगातार नए खुलासे होते जा रहे हैं। पुलिस मुख्य आरोपी 32 वर्षीय अतुल निहाले, उसकी मां बसंती बाई और बड़ी बहन चंचल को गिरफ्तार पूछताछ कर रही है। अतुल ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और बच्ची घटना की जानकारी परिजनों को न दे दे, इसलिए उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। पूछताछ में कई चौंकाने वाली बातें पता चली हैं। पुलिस की पूछताछ में आरोपी अतुल ने बताया कि मंगलवार दोपहर उसकी मां और बहन काम पर चली गई थीं। वह मजदूरी करता है, लेकिन नशा करने के कारण

कभी काम पर जाता है, कभी नहीं जाता। मंगलवार को वह घर पर ही था, क्योंकि उसकी पत्नी महीने भर पहले फिर मायके चली गई थी। करीब दो साल से उसकी हरकतों की वजह से पत्नी कभी अलग रहती है तो कभी मायके में रही है। मंगलवार को कॉलोनी में मच्छर मारने के लिए नगर निगम ने फॉगिंग की थी। इसके बाद आसपास के सभी फ्लैट के लोग धुआं से बचने के लिए अपने-अपने दरवाजे बंद कर लिए थे। मैं दरवाजे पर खड़ा था, तभी बच्ची अपने घर जा रही थी, मैंने अपनी भांजी से दोस्ती होने का हवाला देते हुए उसे बुलाया और अपने कमरे में लेकर गया। जहां मैंने उसके साथ दरिंदगी की, विरोध करने पर उसका गला दबाकर हत्या कर दी। मुझे लग रहा था कि बच्ची घर जाकर सभी को बता देगी तो मैं पकड़ा जाऊंगा। अतुल ने पुलिस की पूछताछ में बताया है कि एक दिन तक तो मैं अंदर के कमरे में लाश को चादर में लपेट कर रखा था। काम से लौटकर मां और बहन आई तो उसे घटना की जानकारी दी। बहन पास में ही अलग कमरे में रहती है। उन दोनों ने लाश छिपाने में मेरी मदद की और किसी को शक न हो, इसलिए मैं और मेरी मां व बहन भी परिजनों, पड़ोसियों के साथ बच्ची को तलाशते रहे। पुलिस और परिजन मेरे घर के अंदर तलाशी न ले पाएं, इसलिए हम सभी लोग कमरे में ताला बंद कर उन्हीं लोगों के साथ अधिकांश समय बच्ची की तलाश में लगे रहे। बुधवार दोपहर तक मामला गंभीर हो गया, वहीं लाश पर मक्खियां बढ़ने लगीं और बदबू हल्की बदबू भी आने लगी थी। इस कारण मां और बहन के साथ मिलकर किचन के ऊपर रखी छोटी सी टंकी में लाश को डिबो दिया, ताकि बदबू भी न आए और तलाशी होने पर बचा भी जा सके।

एक्सीलेंस नॉलेज सिटी फॉर गर्ल्स में आयोजित हुआ विज्ञान मेला

- **मेलें में 60 से अधिक साइंस मॉडल्स की प्रदर्शनी ।**

चमकता राजस्थान। जयपुर/ सीकर (खलील कुरैशी) एक्सीलेंस गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सीकर में विज्ञान मेले का आयोजन किया गया।प्रदर्शनी में स्कूल की छात्राओं द्वारा क्रिएटिव व इनोवेटिव आईडियाज का प्रयोग करते हुए विज्ञान व प्रौद्योगिकी के 60 से अधिक मॉडल्स प्रदर्शित किये गये। मॉडल्स में हाइड्रोक्लोरिक ब्रिज, रॉकेट, एसिड रैन, 3डी होलोग्राम, प्रकाश संश्लेषण, ग्रीन हाउस, एक्स्क्रेटरी सिस्टम, अर्थक्वेक अलार्म, गैस इवोल्यूशन, इलेक्ट्रोलिसिस, इंसुलेटर कंडक्टर, थंडरस्टॉर्म, न्यूटनस्थर्ड लॉ, जल शोधन, टेलीस्कोप, नॉइस पॉल्यूशन, वर्किंग ऑफ़ आईज, ट्रैफिक लाइट सिगनल, एटीएम मशीन आदि प्रमुख रहे।प्रदर्शनी में छात्राओं द्वारा तैयार मॉडल्स को देखने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए अभिभावक भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर संस्था चैयरमेन वाहिद चौहान साहब ने विद्यार्थियों को उनके यूनिक आईडियाज व नवाचार के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के विज्ञान मेले का उद्देश्य हमारी छात्राओं की अविश्वसनीय वैज्ञानिक प्रतिभा का विकास कर और उसका प्रदर्शन करना है।संस्था डायरेक्टर रिजवान चौहान व ×फलक नाज़ चौहान ने बताया कि यह कार्यक्रम नवाचार, खोज और सीखने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। उन्होंने छात्राओं द्वारा विकसित की गई अद्भुत परियोजनाओं और विचारों के लिए उन्हें बधाई दी।

- **प्रदर्शनी में ये रहे मौजूद**

प्रदर्शनी में स्कूल ,कालेज की छात्रायें, स्टाफ सदस्य, अभिभावक व असरार अहमद रंगरेज, फारुक भाटी निसार अहमद जाटू साहब सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संघ की पहली पसंद संजय जोशी, बनाए जा सकते है भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली/एजेंसी।

संजय जोशी भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अच्छे दावेदार माने जा रहे है। संजय जोशी लंबे समय से भाजपा और आरएसएस के साथ जुड़े हुए हैं और उन्होंने संगठन के लिए कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं। अगर उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाता है, तो यह भाजपा और संघ के बीच गहरे संबंधों को और भी मज़बूत करेगा। उनके नाम पर चर्चा होने का अर्थ यह भी है कि भाजपा आने वाले चुनावों और संगठनात्मक रणनीतियों को ध्यान में रखते हुए नेतृत्व में बदलाव कर सकती है।

बताया जाता है कि संजय जोशी ही भारतीय जनता पार्टी के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। जेपी नड्डा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम प्रस्तावित किया। बैठक में तय किया गया कि हरियाणा तथा जम्मू-कश्मीर के चुनाव नतीजे आने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी जाएगी। जेपी नडडा ने आरएसएस की समन्वय बैठक में दावा किया है कि अगली सरकार भाजपा की बनेगी। खबर तो यह भी है कि बैठक में जेपी नडडा ने यहां तक बोल दिया कि हरियाणा में चुनाव के नतीजे चाहें जो कुछ भी हों किन्तु हरियाणा में सरकार तो भाजपा की ही बनेगी। आरएसएस ने हरियाणा चुनाव के नतीजे आने तक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के फैसले को स्थगित कर दिया है।

बीजेपी में संजय जोशी की वापसी होगी या फिर नहीं? इसका उत्तर आने वाले दिनों में मिलेगा। ऐसी चर्चा है कि लोकसभा चुनावों के बाद बीजेपी के अंदर संजय जोशी की वापसी को लेकर उनका समर्थन बढ़ा है। इसी को देखते हुए संघ ने फिर से कोशिश शुरू की है कि उनकी वापसी हो। संघ से जुड़े एक पदाधिकारी कहते हैं कि संजय जोशी आज भी पूरी तरह से समर्पित हैं। उन्होंने कभी पीएम मोदी और पार्टी और के विरोध में कोई बयान नहीं दिया है, बल्कि वे कई अवसरों पर पीएम मोदी तारीफ कर चुके हैं। वह खुले मंच से उन्हें अपना नेता स्वीकार चुके हैं। ऐसे में सिर्फ संघ ही नहीं बल्कि पार्टी के नए और पुराने दोनों तरह के कार्यकर्ता चाहते हैं कि उनकी वापसी हो। वापसी की संभावना के सवाल पर पदाधिकारी ने कहा कि अगर जो मतभेद उभरे थे अगर वे फिर बीच में आते हैं तो वापसी नहीं

घमंडी लोगों को कैसे चुप कराएं?

ऑफिस में आपके साथ कुछ सहयोगी अपने आपको जिंदादिल, हार्ड वर्किंग और बहुत बार खुद को चुलबुला दिखाने की कोशिश करते होंगे। ऐसे लोगो में आत्मविश्वास कूट-कूट कर भरा होता है। इसी चक्कर में वे इस सोच में रहते हैं कि वे हर काम बहुत ही जल्दी से और आसानी से कर लेंगे। ऐसे ओवरकॉफिडैंट लोगों को ऐसा लगने लगता है कि उनके पास हर समस्या का हल है। ऑफिस में हर व्यक्ति उसकी मदद लेता है। अच्छे एंक्सपीरियंस की वजह से वे दूसरो के कामों में नुक्ताचीनी करते है, अपने जूनियर्स को अंडर एस्टीमेट करते हैं। बहुत बार कॉन्फिडैंस घमंड में बदल जाता है। वे इगो दिखाना शुरू कर देते हैं और दफ्तर के लोग उनसे बात करना पसंद नहीं करते। यह लोग अपना काम तो अच्छे से निपटा लेते है लेकिन दूसरों के कामो में रुकावट डालते हैं। ऐसे में घमंडी व्यक्ति को अपने काम में ज्यादा तवज्जो नहीं देनी चहिए। अपना काम खुद करने की कोशिश करें। ऐसे लोगों को अपनी तारीफ सुनना बहुत अच्छा लगता है। इन लोगों की चापलूसी करने से बचें। ये लोग किसी भी मुद्दे पर बहस करने से नहीं चूकते। अपनी नॉलेज दूसरों से शेयर करने की बजाए उन पर बहस करते हैं। बेस्ट तरीका यह है कि आप उनकी बहस पर ध्यान ही न दे। अपने काम पर फोकस रखें। वे अपने आप शर्मिंदा होकर चुप हो जाएंगे।

कूल लुक देती है पोलो टी-शर्ट...

गर्मियों के दिनों में हर युवा को अपनी वार्डरोब में पोलो टी-शर्ट को रखना बेहद पसंद होता है। पोलो टी शर्ट काफी आरामदायक होती हैं। यह काफी क्लासी और सोफेस्टीकेडेट होती हैं जिन्हे सिर्फ एक क्लास के ही लोग पसंद करते हैं। पोलो टी शर्ट को चाहें तो फॉर्मल कपड़ों में पहने या फिर किसी खास इवेंट में। इस टी शर्ट का इजाद तब हुआ था, जब पोलो खेलने वाले खिलाडियों को एक विशेष ड्रेस पहनकर खेलना होता था। धीरे-धीरे ये शौक बन गया है और प्राईवेट पोलो ग्राउंड पर भी लोग इसे पहन कर खेलना पसंद करने लगे। अब इन्हे सिर्फ ग्राउंड पर पहनने की जरूरत नहीं है, आप किसी भी मौके पर इसे पहन सकते हैं सिवाय फॉर्मल मीटिंग के। अगर आपको अपनी वॉर्डरोब में किसी टी-शर्ट को रखना है तो ब्लैक कलर की टी शर्ट सबसे बेस्ट होती है। यह सभी कलर के पैंट या जींस के चलती है और इम्प्रेसिव भी लगती है। आप चाहें तो सफेद पोलो टी शर्ट भी ले सकते हैं। इसे ऑफिस या बाहर भी आराम से पहना जा सकता है। जरूरी नहीं कि आप पोलो टी शर्ट को पैंट या जींस के साथ ही पहनें, आप शॉर्ट्स के साथ भी इसे पहन सकते हैं। किसी भी कंट्रास्ट कलर के पैंट के साथ यह फबता है। पोलो टी शर्ट में धारीदार यानी स्ट्रिप टी शर्ट भी आती है। इससे लंबाई ज्यादा लगती है और उम्र थोड़ी कम लगती है। अब आप अगली बार जब भी पोलो टी शर्ट खरीदें तो इन सभी बातों का ध्यान रखें और गर्मियों के मौसम में कूल-कूल लुक में दिखें।

न्यू वॉल डेकोर ट्रेंड्स...

यदि आप घर को रिनोवेट करवाने की सोच रहे हैं, तो कुछ नया ट्राइ कर सकते हैं। इन दिनों होम डेकोर के न्यू ट्रेंड्स देखने को मिल रहे हैं, जो न सिर्फ इंटीरियर को खास बनाते हैं, बल्कि घर को न्यू लुक भी देते हैं। खासकर वॉल डेकोरेशन में काफी नए ट्रेंड्स देखे जा रहे हैं। इन्हें पहले से ज्यादा आर्टिस्टिक बनाया जा रहा है। साथ ही इको फ्रेंडली इंटीरियर से भी जोड़ा जा रहा है। वॉल डेकोर के ट्रेंड्स पर एक नजर।

स्टोन आर्ट वर्क

दीवारों पर स्टोन का आर्ट वर्क भी काफी पसंद किया जा रहा है। इन्हें टीवी वॉल या फिर सेंटर वॉल पर ट्राई किया जा सकता है। दूसरी ओर, मार्केट में डिफरेंट तरह के स्टोन देखे जा रहे हैं, जो दीवारों के लिए काफी पसंद किए जाते हैं, इनमें कलर फुल स्टोन काफी डिफरेंट एंड ट्रेंडी लुक देते हैं।

वर्टिकल गार्डन

वर्टिकल गार्डन का कॉन्सेप्ट काफी पसंद किया जा रहा है। बाहर के साथ-साथ इस तरह के गार्डन को घर के अंदर भी लगाया जा सकता है। ड्रॉइंग रूम के अलावा वॉशरूम में भी वर्टिकल गार्डन काफी अच्छे लगते हैं। वॉशरूम की वॉल पर यह गार्डन फ्रेशनेस का अहसास देंगे। वॉशरूम में मॉस वॉल भी लगवाई जा सकती है।

डिफरेंट म्यूरल्स

दीवारों पर म्यूरल्स लगवाना काफी कॉमन है। इसमें भी अब डिफरेंट वैराइटीज नजर आ रही हैं, जिनमें डिजिटल और 3डी भी शामिल हैं। डिजाइनर्स की मानें तो वॉल से लेकर फ्लोर तक अट्रैक्टिव पेपर एंड म्यूरल्स देखे जा रहे हैं। वॉल पर कॉज्मिक और सी लाइफ काफी पसंद की जा रही है, इसके तहत दीवार पर नैचुरल कलर्स उभरते हैं।

क्यूलॉट्स की लोकप्रियता बढ़ने की सबसे बडी वजह यह है कि ये सुपर कंफर्टेबल होने के साथ ही सुपर स्टाइलिश भी होते हैं। क्यूलॉट्स को कई तरह के अपरवेयर्स के साथ कंबाइन किया जा सकता है, जैसे टक्ड इन शर्ट, क्रॉप्ड टॉप, टैंक टॉप, लॉन्ग ट्यूनिक, ब्लेजर आदि। हाइ वेस्टेड टेलर्ड क्यूलॉट्स हील्स के साथ कमाल लगती हैं।

ट्राय करें ट्रेंडी

क्यूलॉट्स...

ट्राउजर्स और पलाजो पहन कर बोर हो गई हैं, तो क्यों न वॉर्डरोब में कुछ नया ऐड किया जाए। लिनेन, डेनिम, सिल्क और खादी से बने क्यूलॉट्स इस सीजन का सबसे बडा ट्रेंड बन कर उभरे हैं। सही स्टाइलिंग की मदद से ये आपको विविध लुक्स दे सकते हैं। पिछले कुछ सीजंस से फैशन की दुनिया में लोअरवेयर्स का जलवा रहा है। फिर चाहे वे शॉर्ट्स हों, लेगिंग्स हों या पलाजो। इस कड़ी में सबसे लेटेस्ट नाम जुडा है क्यूलॉट्स का। रनवे से स्ट्रीट तक हर जगह इनका जलवा देखा जा सकता है। इन्हें कॉलेज से लेकर ऑफिस और लॉन्ग ड्राइव तक लगभग हर जगह पहना जा सकता है।

सुपर स्टाइलिश

क्यूलॉट्स की लोकप्रियता बढ़ने की सबसे बडी वजह यह है कि ये सुपर कंफर्टेबल होने के साथ ही सुपर स्टाइलिश भी होते हैं। पहले से प्रचलित परिधानों की भीड़ में ये ताजगी और नएपन का एहसास कराते हैं। अलग-अलग तरह से इनकी स्टाइलिंग करके विभिन्न लुक्स पाए जा सकते हैं।

कॉम्बिनेशंस

क्यूलॉट्स को कई तरह के अपरवेयर्स के साथ कंबाइन किया जा सकता है, जैसे टक्ड इन शर्ट, क्रॉप्ड टॉप, टैंक टॉप, लॉन्ग ट्यूनिक, ब्लेजर आदि। हाइ वेस्टेड टेलर्ड क्यूलॉट्स हील्स के साथ कमाल लगती हैं। अगर आपकी लंबाई अच्छी है तो आप वाइड हेमलाइन वाली सॉलिड कलर्ड क्यूलॉट्स को अपने पसंदीदा टॉप और समर सैंडल्स के साथ कंबाइन कर सकती हैं। लेदर क्यूलॉट्स को रेट्रो स्टाइल टॉप के साथ पहनना भी अच्छा आइडिया है।

लॉन्ग ड्राइव पर

जहां प्लीटेड क्यूलॉट्स को टक्ड इन कॉलर्ड शर्ट के साथ कंबाइन करके आप फॉर्मल लुक पा सकती हैं, वहीं फ्लोरल प्रिंट्स वाले क्यूलॉट्स को क्रॉप टॉप के साथ कंबाइन करके आप रोमैंटिक लुक क्रिएट कर सकती हैं। अगर लॉन्ग ड्राइव पर जाते वक्त आप क्यूलॉट्स पहनना चाहती हैं, तो क्रॉप्ड क्यूलॉट्स के साथ टैंक टॉप पहनें। इसी तरह बुक लॉन्च इवेंट में टैन प्लीटेड क्यूलॉट्स के साथ जॉर्जट रफल्ड शर्ट पहन सकती हैं।

फुटवेयर्स

इसके साथ आप किसी भी तरह के ओपेन टो हील फुटवेयर्स पहन सकती हैं। उदाहरण के तौर पर, इसके साथ वेजेज, पीपटोज और स्ट्रैपी सैंडल्स का कॉम्बिनेशन अच्छा लगता है। इसके साथ क्लोज्ड़ टो सैंडल्स पहनने से बचना चाहिए।

ज्यूलरी का चयन

क्यूलॉट्स के साथ आप स्टेटमेंट नेकपीसेज कंबाइन कर सकती हैं। साथ ही आप इसके साथ थिन फॉर्मल बेल्ट या एंबेलिश्ड बेल्ट भी कंबाइन कर सकती हैं। चूंकि इसे पहनने पर आपके एंकल्स नजर आते हैं, इसलिए इसके साथ आप एंकलेट्स भी पहन सकती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

- क्यूलॉट्स के साथ फ्लिप-फ्लॉप्स न पहनें।
- अगर आपकी वेस्ट शेप में है तो क्यूलॉट्स के साथ आप थिन बेल्ट पहन कर इसे डिफाइन कर सकती हैं।
- अगर आपकी लंबाई कम है तो क्रॉप्ड क्यूलॉट्स पहनने से बचें। संकरी हेमलाइन वाले फुल लेंथ क्यूलॉट्स का चयन करें।
- कंफर्टेबल फैब्रिक से बने क्यूलॉट्स पहनें।
- अपने कॉम्प्लेक्शन को सूट करते हुए क्यूलॉट्स का चयन करें।

पैरों के हिसाब से फैशन...

परफेक्ट्ली टोन्ड लेग्स एक्सपोज करने के लिए यह मौसम उपयुक्त है। अगर आपके पैर टोन्ड नहीं हैं तो हल्की-फुल्की एक्सरसाइज के बाद से आप अपने लेग्स शेप में कर सकती हैं।

फॉर फुलर लेग्स

अगर आपके पैर गठीले हैं तो आप 'अबव द नी लेंथ' ड्रेसेज में अलग-अलग शेप्स और कट्स ट्राई कर सकती हैं। असिमिट्रिकल डिजाइंस के साथ आप अपने फुलर लेग्स को फ्लॉन्ट कर सकती हैं। जमीन पर सीधा लेट जाएं। इसके बाद अपने दोनों पैरों को बारी-बारी से क्लॉकवाइज और एंटी-क्लॉकवाइज डायरेक्शन में घुमाएं। पैर घुमाने के दौरान जितना बड़ा सर्कल आप क्रिएट कर सकेंगी, आपके लिए उतना ही फायदेमंद होगा। 30 रेपिटिशंस के तीन सेट्स ट्राई करें।

फॉर थिन लेग्स

अगर आपके पैर पतले हैं तो फ्लोइंग ड्रेसेज आपके लिए उपयुक्त हैं। लेंथ आप अपनी पसंद की चूज कर सकती हैं। पतले पैरों के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग आवश्यक होती है। स्टेपर पर स्टेप्स करें या सीढ़ियां चढ़ें-उतरें। साथ ही लंजेस ट्राई करें। हाथों में डंबल्स लेकर एक पैर को सीधा आगे की तरफ लाकर दोनों घुटनों को इस तरह मोड़ें की नाइंटी डिग्री एंगल बने। एक पैर के लिए 20 रेपिटिशंस के तीन सेट ट्राई करें।

फॉर हेवी काफ्स

अगर आपका काफ पोर्शन हेवी है तो ध्यान रखें कि आपकी ड्रेस काफ मसल्स को कवर करती हुई हो। बहुत छोटी लेंथ की ड्रेस बेयर लेग्स पर नहीं जंचेगी। काफ मसल्स टोन करने के लिए अपने पैरों को 45 डिग्री तक खोलें। पंजों के बल एड़ियों को उठाकर आपको स्क्वॉट्स करने हैं। इसमें पंजों के बल खड़े होकर आपको नीचे की तरफ झुकना है। ध्यान रखें कि आपकी बैक बोन सीधी रहे और आप जितना नीचे जा सकें, आपके काफ मसल्स के लिए उतना ही बेहतर होगा।

फॉर हेवी थाइज

हेवी थाइज हों तो ऐसी ड्रेसेज ट्राई करें जिसमें थाइज ज्यादा एक्सपोज न हों। थाइज को टोन करने के लिए स्क्वाट्स ट्राई करें। पैरों को 45 डिग्री फैलाकर बैक बोन सीधी रखते हुए बैठने की मुद्रा में झुकें। 20-25 रेपिटिशंस के तीन सेट्स ट्राई करें। हाथों में वेट्स लेकर स्क्वाट्स भी करें, यह आपकी थाइज को टोन करेंगे।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आजकल हर लड़की स्टाइलिश दिखने के लिए ड्रैस के साथ मैच करते हुए ही फुटवियर्स पहनती हैं। बाजार में फुटवियर्स ट्रैंड में स्मार्ट, स्टाइलिश, ट्रैंडी फ्लोरल हाई हील्स देखने को मिलती हैं। हील्स आपकी छोटी हाइट को लंबा बना कर आपको और स्टाइलिश दिखाती हैं। अगर आप हाई हील्स के शौकीन हैं तो कभी 4 इंच से ऊंची हील्स न पहनें।
- कभी भी हर रोज एक तरह की हील्स न पहनें। बदल-बदल कर पहनें ताकि आप के पैरों को आराम मिलें।
- पार्टी में अपनी लुक को अच्छा बनाने के लिए आप ड्रैस को साथ किटेन हील्स पहनें।
- छोटे पैरों में टी स्ट्रैप वाली हील्स कभी न पहनें। ऐसी हील्स को अवॉइड करें।
- लंबे पैरों में ओवल शेप हील्स ही पहनें। इन्हे पहन कर आपके पैर बहुत ही सुंदर दिखाई देंगे।
- अगर आप पार्टी में जाने की शौकीन हैं तो आपकी ड्रैस के साथ स्ट्रैपी हील्स परफेक्ट दिखेगी।
- पैंसिल हील से पैरों में दर्द होने लगता है। इसलिए चौडी हील्स खरीदें, इससे पैरों पर कम दबाव पड़ता है।

खरीदनी है पहली कार तो ये हैं ऑप्शन...

सपनों की गाड़ी खरीदने की चाहत रखने वालों के लिए पहली कार हमेशा कुछ खास होती है। हालांकि पहली कार खरीदते समय आम आदमी को अपना बजट भी संभालना पड़ता है। अगर आप ढूंढ़ रहे हैं ऐसी ड्रीम कार जो सारी खूबियों के साथ कम कीमत में भी आ जाए तो ये खबर आपके लिए काम की है। यहां हम पहली कार खरीदने वालों के लिए ऐसी कारें बताने जा रहे हैं जो अच्छा विकल्प साबित हो सकती हैं। अपनी पसंद, खूबियों और बजट के हिसाब से इनमें से कोई भी कार चुनकर घर ले आइए।

मारुति सुजुकी ऑल्टो

पहली कार खरीदने वालों के लिए मारुति ऑल्टो हमेशा से बढ़िया पसंद रही है। मारुति जो देश की सबसे बड़ी कार कंपनी है छोटी कारों के सेगमेंट में हमेशा सबसे आगे रही है। पहले इसकी मारुति 800 लोगों की पसंदीदा कार थी और अब ऑल्टो भी उसी राह पर आगे बढ़ रही है क्योंकि इसकी कीमत काफी कम है। ऑल्टो की फिलहाल कीमत 2.57 लाख रुपए है जो पहली कार खरीदने वालों के लिए एक आकर्षक कीमत है। ये एक एंट्री लेवल कार है और इतनी कीमत में लोगों को देश का सबसे भरोसेमंद ब्रांड मिल रहा है तो इससे अच्छी बात क्या है।

रेनॉल्ट क्विड

रेनॉल्ट क्विड के लुक्स इसकी खासियत हैं जो इसे अन्य छोटी कारों से काफी अलग रखते हैं। इसके इंटीरियर्स काफी खास हैं और बाहर से छोटी कार दिखने के बावजूद अंदर से ये सेडान जैसा फील कराती है। इस कार का माइलेज भी 25 किलोमीटर प्रति लीटर है जो छोटी कारों के लिहाज से काफी अच्छा औसत कहा जा सकता है। रेनॉल्ट क्विड की कीमत भी बजट कारों के तहत लुभाती है क्योंकि 2.62 लाख रुपए में अच्छे फीचर्स के साथ ये कार मारुति की ऑल्टो और ह्युंडई की इयॉन को कड़ी टक्कर दे रही है।

ह्युंडई इयॉन: इस कार की थीम है इसका कम्फर्ट और स्टाइलिश लुक जो अन्य छोटी कारों में थोड़ी मुश्किल से मिलता है। ऑल्टो और क्विड के मुकाबले यह कार काफी ज्यादा आकर्षक लगती है लेकिन इसीलिए इसकी कीमत भी उनसे थोड़ी ज्यादा है- 3.25 लाख रुपए। इस कार में 56 पीएस का इंजन मिलता है और ये कार 20 किलोमीटर प्रति लीटर के माइलेज का दावा करती है।

टाटा टिएगो: टाटा टिएगो की खासियत यह है कि पेट्रोल और डीजल दोनों वेरिएंट में आती है। हालांकि डीजल वेरिएंट की कीमत 3.95 लाख रुपए है जो पेट्रोल वेरिएंट 3.2 लाख रुपए से थोड़ी ज्यादा है। इस कार के लॉन्च के समय इसे सबसे ज्यादा फ्यूल एफिशिएंट कार बताया गया था। इसके लुक्स तो ग्लोबल हैं ही और ये हैंडलिंग में भी ईजी फील कराती है।

ह्युंडई आई10: एक समय छोटी कारों के बाद ह्युंडई सैंट्रो का जलवा था और मारुति 800 के बाद इसने छोटी कारों के सेगमेंट में अपनी धाक जमा दी थी। इसके बाद आई ह्युंडई आई10 भी छोटी कारों के सेगमेंट में काफी पॉपुलर है और काफी ज्यादा बिकती है। इस कार की सबसे बड़ी खासियत इसका कम्फर्ट और इसका आकर्षक डिजाइन है जो लोगों को सालों से लुभाता आ रहा है। हालांकि एंट्री लेवल कार के हिसाब से इसकी कीमत थोड़ी ज्यादा है यानी 4.25 लाख रुपए।

रैशेज की समस्या को दूर करने के कारगर उपाय

टाइट कपड़े पहनने, पसीने और बहुत ज्यादा चलने से अक्सर जांघों के बीच रैशेज पड़ जाते हैं। इनमें बहुत ज्यादा खुजली होती है, साथ ही दर्द भी। इन्हें अवॉयड करने से ये इन्फेक्शन फैल सकता है, जो तकलीफ को बढ़ाने का काम करता है। रैशेज की प्रॉब्लम महिलाओं से लेकर पुरुषों तक, किसी के भी साथ हो सकती है।

रैशेज की समस्या को दूर करने के लिए अपनाएं जाने वाले उपाय

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल अंदरूनी रैशेज की समस्या को दूर करने में मददगार होता है। रैशेज वाली जगह पर इसकी ताजी पत्तियों से निकला जेल लगाकर इसे सूखने दें। जल्द असर के लिए दिन में 2-3 बार इसका इस्तेमाल करें।

पाउडर

रैशेज वाली जगह पर किसी अच्छे एंटी बैक्टीरियल पाउडर का इस्तेमाल करें। टैल्कम पाउडर आसानी से अंदरूनी एरिया के पसीने को एब्जॉर्ब कर लेता है। कोशिश करें पाउडर का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर सकें।

बर्फ

बर्फ का कूलिंग इफेक्ट रैशेज का असरदार इलाज है। हर दो घंटे में अंदरूनी रैशेज वाली जगह बर्फ के टुकड़े को सिकाई करें। बहुत जल्द फायदा मिलता है।

केमोमाइल टी

केमोमाइल टी का इस्तेमाल करके भी रैशेज से छुटकारा पाया जा सकता है साथ ही इसमें मौजूद हर्ब्स और भी कई प्रकार की स्किन से जुड़ी समस्याओं को दूर रखते हैं। अंदरूनी रैशेज होने पर उसे केमोमाइल टी से साफ करें।

विनेगर(सिरका)

अगर रैशेज की समस्या इन्फेक्शन में बदलती दिख रही है तो तुरंत उस एरिया पर विनेगर लगाना शुरू कर दें। जल्द असर के लिए विनेगर में शहद की मात्रा भी मिला सकते हैं।3-4 बार इन्फेक्शन वाली जगह पर लगाएं।

विटामिन ई

विटामिन ई के इस्तेमाल से भी रैशेज की समस्या दूर होती है। विटामिन ई से भरपूर चीजों को रैशेज वाली जगह लगाएं। रोजाना एक हफ्ते तक दिन में कम से कम 2-3 बार इसका इस्तेमाल करें।

कम्फर्टेबल अंडरवियर

रैशेज की समस्या टाइट और अनकम्फर्टेबल कपड़े पहनने से और बढ़ सकती है इसलिए ऐसी समस्या होने पर ढ़ीले और कम्फर्टेबल कपड़े पहनें खासतौर से अंडर वियर।

मंदिरा बेदी ने कराया अब तक का सबसे स्टनिंग फोटोशूट

मुम्बई।

मंदिरा बेदी ने अपना अब तक का सबसे स्टनिंग फोटोशूट कराया है। टीवी से लेकर फिल्मों तक में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेर चुकीं मंदिरा बेदी लंबे समय से स्क्रीन से गायब हैं। इन तस्वीरों में मंदिरा काफी मजबूत महिला की छवि बिखेरती नजर आ रही हैं। साल 1994 में दूरदर्शन के सीरियल 'शांति'से मंदिरा ने घर-घर में अपनी पहचान बनाई। मंदिरा बेदी आज टीवी इंडस्ट्री के सफल सितारों में शामिल हैं। टीवी से फिल्मों तक का सफर तय करने वालीं मंदिरा बेदी क्रिकेट में कमेंटेटर से लेकर फैशन डिजाइनर के भी काम किए। स्मृति ईरानी से लेकर रॉनित रॉय और शाहरुख खान जैसे स्टार के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकीं एक्ट्रेस आज खुद में एक स्टाइल आइकन हैं। मंदिरा ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में 52 साल की मंदिरा अपनी उम्र को मात देती दिख रही हैं। हर तस्वीर में वह कातिलाना दिख रही हैं। उनकी इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर लोगों के होश उड़ा दिए हैं। लोगों ने उनकी इन तस्वीरों की जमकर तारीफ की है। हालांकि, कुछ लोगों ने कहा है- आज की मंदिरा 30 साल पहले ' शांति' वाली मंदिरा पर भारी हैं।

भारत में सबसे लोकप्रिय फीमेल फिल्म स्टार बनीं सामंथा रूथ प्रभु

आलिया-दीपिका को पिछाड़ बनीं नंबर .1

मुम्बई।

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु फिल्म पुष्पा के गाने ऊं अंटावा से रातों-रात सुर्खियों में आ गई थीं। उसके बाद एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग में भी खूब इजाफा हुआ। वहीं, अब इस साउथ एक्ट्रेस ने भारत में सबसे लोकप्रिय महिला फिल्म स्टार का खिताब अपने नाम कर लिया है। ऑरमैक्स की एक रिपोर्ट के अनुसार सामंथा रूथ प्रभु ने आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, नयनतारा और श्रद्धा कपूर को पीछे छोड़ते हुए 'भारत में सबसे लोकप्रिय महिला फिल्म स्टार' का खिताब अपने नाम कर लिया है। 'ऊं अंटावा' से नेशनल क्रश बनीं सामंथा जहां पहले स्थान पर हैं, वहीं आलिया भट्ट दूसरे स्थान पर हैं। इस लिस्ट में दीपिका पादुकोण, नयनतारा, काजल अग्रवाल, श्रद्धा कपूर, त्रिशा, कैटरीना कैफ, रश्मिका मंदाना और कियारा आडवाणी शामिल हैं। सामंथा के फैंस उन्हें लिस्ट में सबसे ऊपर देखकर काफी खुश हैं। कामकी बात करें तो सामंथा रूथ प्रभु जल्द ही सिटाडेलः हनी बनी में नज़र आएंगी। इसके अलावा उन्होंने रक्त ब्रह्मांड की शूटिंग भी शुरू कर दी है। इसे राही अनिल बर्वे ने निर्देशित किया है।

कृष्णा म्युज़िक के लिए करिश्मा शेख की आवाज़ में गीत रिकॉर्ड

मुम्बई।

निर्माता निर्देशक कृष्णा चौहान के कृष्णा म्युज़िक के लिए मुम्बई में एक हिंदी गीत की रिकॉर्डिंग सम्पन्न हुई। संगीतकार राजेश घायल और गायिका करिश्मा शेख हैं। गीतकार शाइस्ता देशमुख हैं। अंधेरी म्हाडा स्थित एमजीएफ रेकॉर्डिंग स्टूडियो में रिकार्डिस्ट उमेश यादव ने यह खूबसूरत गीत रिकॉर्ड किया। जल्द ही यह गीत कृष्णा म्युज़िक के ऑफिशियल चैनल पर रिलीज होगा।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर डॉ कृष्णा चौहान ने हस्तियों को भेंट किया श्रीमद्भगवत गीता

मुम्बई।

डॉ कृष्णा चौहान ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी को देश के नामचीन हस्तियों को श्रीमद्भगवत गीता उपहार स्वरूप भेंट किया। निर्माता निर्देशक और समाज सेवी डॉ कृष्णा चौहान पिछले 7 साल से कृष्णजन्माष्टमी पर श्रीमद्भगवत गीता उपहार स्वरूप भेंट देते हैं।

- **अवार्ड किंग के रूप में विख्यात डॉ कृष्णा चौहान**

कृष्णा चौहान फाउंडेशन (केसीएफ) के फाउंडर नेशनल प्रेसिडेंट डॉ कृष्णा चौहान 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2024 का आयोजन भी मुम्बई में करेंगे।

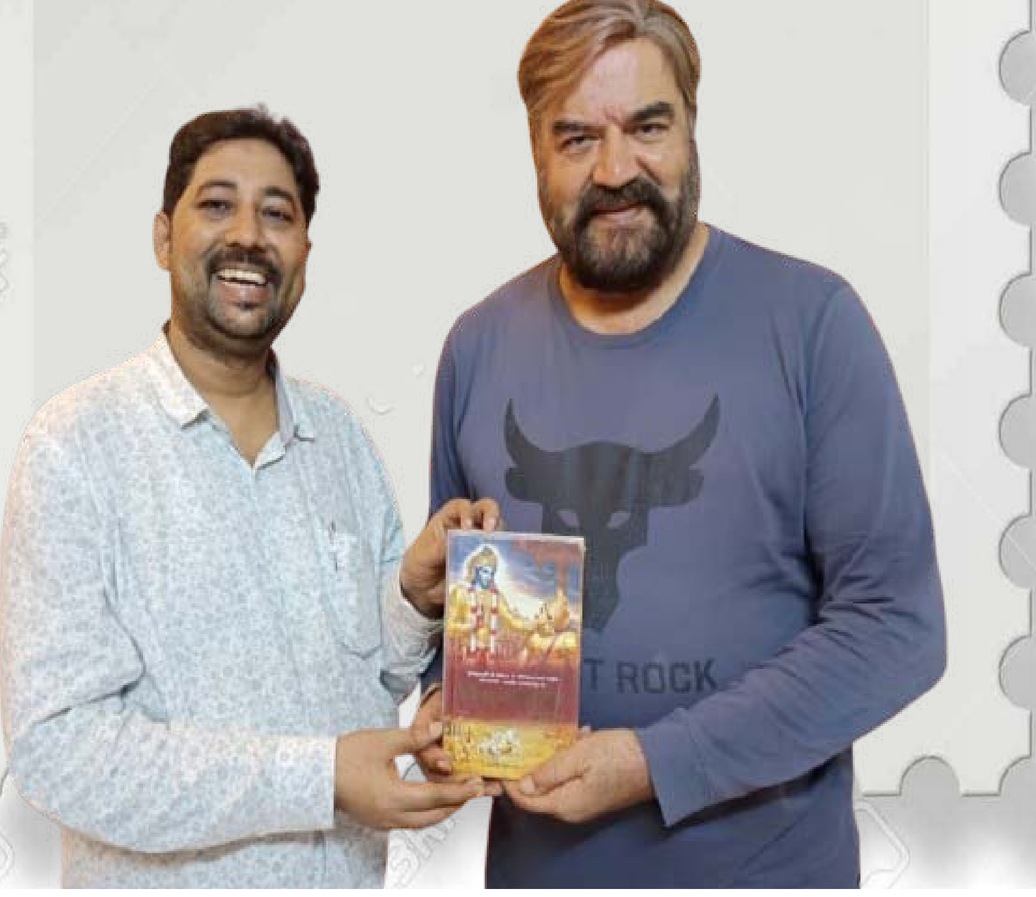

'महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2024' के पोस्टर को निर्माता निर्देशक धीरज कुमार ने किया लांच

मुम्बई।

बॉलीवुड के प्रख्यात निर्माता निर्देशक धीरज कुमार ने 'महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2024' के पोस्टर का अनावरण किया। केसीएफ फाउंडेशन के अंतर्गत गांधी जयंती 2 अक्टूबर 2024 को अवार्ड शो 'महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2024' का आयोजन मेयर हॉल, अंधेरी पश्चिम मुम्बई में किया जाएगा। यह इस अवार्ड का चौथा साल है। जहाँ मुख्य अतिथि के रूप में कई अभिनेता निर्देशक, संगीतकार, समाजसेवक की विशेष उपस्थिति होगी और वे सभी इस प्रतिष्ठित अवार्ड से सम्मानित होंगे। निर्माता निर्देशक धीरज कुमार ने आयोजक डॉ कृष्णा चौहान को इस प्रोग्राम के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं दीं और कहा कि वह हर साल इस कार्यक्रम में जाते हैं और इस बार भी वह अवशय शामिल होंगे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को याद करने के लिए डॉ कृष्णा चौहान इस पुरस्कार समारोह का आयोजन करते आ रहे हैं। निर्माता निर्देशक और केसीएफ फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ कृष्णा चौहान इस कार्यक्रम में सत्य व अहिंसा के पुजारी बापू को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और उसके बाद यह पुरस्कार समारोह शुरू होगा। डॉ कृष्णा चौहान ने कहा कि आज एक ऐसा समय है जब हमें महात्मा गांधी जी के आदर्शों पर चलने की सख्त जरूरत है। महात्मा कभी कभी इस धरती पर आते हैं। गांधी जी के विचारों से प्रेरणा लेकर हम सब को अपने कर्म करने चाहिए।

इस अवार्ड शो में कई महत्वपूर्ण हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा।

सम्मेलन में एक हजार से अधिक पत्रकार भाग लेने पहुंचे

वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए एक पथ प्रदर्शक है मीडिया

राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन जारी, प्लेनरी सेशन में वक्ताओं ने रखे अपने विचार

चमकता राजस्थान

जयपुर/आबू रोड(खलील कुरैशी)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मुख्यालय शांतिवन के आनंद सरोवर परिसर में चल रहे राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन के दूसरे दिन देशभर से आए वक्ताओं ने मीडिया वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए एक पथ प्रदर्शक विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। मीडिया विंग द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का मूल विषय स्वस्थ एवं सुखी समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण- मीडिया की भूमिका है।नोएडा के इंडिया टुडे मीडिया संस्थान डीन एवं निदेशक डॉ. ध्रुबा ज्योति पति ने कहा कि यहां आकर बहुत प्रसन्न महसूस कर रहा हूं। यहां के दिव्य वातावरण में अद्भुत वातावरण होती है। अध्यात्म में ही वह शक्ति है कि इसके बल से ही वैश्विक शांति आएगी। हम उस महान संस्कृति से आते हैं जहां अलग-अलग भाषा, रंग-भेद और संस्कृति के लोग सद्भाव के साथ रहते हैं। जब हम आत्म निरीक्षण, आत्म विश्लेषण और आत्म चिंतन करने शुरू करने देंगे तो दुनिया की ज्यादातर समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए मीडिया एक पथ प्रदर्शक है।जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी जयपुर के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन डीन व प्रो. डॉ. नरेंद्र कौशिक ने कहा कि दुनिया में शांति स्थापित करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। देश में जो समस्याएं आईं हैं उनके समाधान के लिए मीडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही आपात स्थिति में मीडिया ने सद्भाव का संदेश दिया है। नगर निगम जयपुर हेरिटेज के जनसंपर्क विभाग के संयुक्त निदेशक मोतीलाल वर्मा ने कहा कि सोशल मीडिया से समाज में अशांति का माहौल बन रहा है। आज से 40-50 साल पहले लोगों का जीवन बहुत सुखमय था, क्योंकि हम सीधेतौर पर लोगों से कनेक्ट होते थे। अब फिर समय आ गया है कि मीडिया को लोगों के जीवन में शांति और मार्गदर्शन के लिए आगे आना होगा। हम उस स्वर्णिम संस्कृति से आते हैं जहां कभी देवी-देवताओं की दुनिया थी। फिर से वही दुनिया लाने के लिए हमें अध्यात्म की ओर बढ़ना होगा।

● विश्व शांति के लिए प्रचार कर रही है संस्था-

गुजरात डीसा के स्तंभकार व स्वतंत्र पत्रकार भगवानदास ठक्कर ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ परिवार द्वारा भारत सहित पूरे विश्व में सकारात्मकता और विश्व शांति के लिए प्रचार किया जा रहा है। संस्था का एक ही उद्देश्य है विश्व शांति। अब इसमें मीडिया को भी होना है। किसी युद्ध में जब मीडिया की भूमिका पॉजीटिव होती है तो वह युद्ध भी समाप्त हो जाते हैं। भारत में आए कोरोनाकाल में मीडिया ने समाज के सामने बहुत ही पॉजीटिव खबरें दीं और हम इस महामारी से उबर पाए। मुंबई की लोक सामना समाचार की अखिल भारतीय ब्यूरो प्रमुख डॉ. दीप्ति जोशी ने कहा कि हमारी लोकशाही के तीन स्तंभ की हालत बहुत ही नाजुक है। ऐसे में मीडिया को सजग रहने की जरूरत है।

● मीडिया लोक मंगल की भूमिका निभा रहा है-

जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जेएआर) के अध्यक्ष हरि बल्लभ मेघवाल ने कहा कि पत्रकारों के आदर्श नारद मुनि जी ने लोक संवाद के आदर्श प्रस्तुत किए हैं। आज भी मीडिया लोक मंगल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आज पत्रकारों ने अपनी लेखनी के माध्यम से हर क्षेत्र में अच्छे संदेश दिए हैं। वलसाड़ की जोनल संयोजिका बीके रंजन बहन ने सभी को राजयोग मेडिटेशन से शांति की गहन अनुभूति कराई। दिल्ली की संचार सलाहकार एवं इवेंट मैनेजमेंट प्रियदर्शिनी नरेंद्र, मप्र ग्वालियर के वरिष्ठ पत्रकार सुरेश शर्मा, गुजरात जोन की अतिरिक्त जोनल संयोजिका बीके नंदिनी बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। स्वागत भाषण ग्वालियर के बीके प्रहलाद ने दिया। संचालन भोपाल की डॉ. बीके रीना बहन ने किया। गुजरात दीसा के बीके शशिकांत ने आभार माना। राष्ट्रीय संयोजक बीके शांतानु ने सभी अतिथियों का शाल पहनाकर और स्मृति चिंह भेंट कर स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

एसीबी ने दिया प्रभावी कार्रवाई को अंजाम

● चित्तौड़गढ़ में नगर परिषद का जमादार 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 28 सितम्बर, शनिवार । ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की चित्तौड़गढ़ इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये जयराज कण्डारा जमादार, नगर परिषद, चित्तौड़गढ़ को परिवादी से 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तारकिया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की चित्तौड़गढ़ इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी हाजिरी भरने, नोटिस को फाईल करवाने एवं बकाया वेतन दिलाने की एवज में आरोपी जयराज कण्डारा जमादार, नगर परिषद, चित्तौड़गढ़ द्वारा परिवादी से प्रतिमाह 8 हजार रुपये के हिसाब से पिछले 4-5 माह की मंथली के रूप में 40 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरवीजन में एसीबी की चित्तौड़गढ़ इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी जयराज कण्डारा को परिवादी से 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

शहीदे आजम भगत सिंह का 117 वा जन्मदिवस मनाया।

चमकता राजस्थान। कोटपूतली बहरोड (धर्मेंद्र बंसल)। कालांतर की दिनांक 28/09/1907 में माता विद्यावती ने एक बहादुर पुत्र को जन्म दिया। वह वीर सपूत आगे चलकर शहीद ए आजम भगत सिंह के नाम से प्रसिद्ध हुए । समाजसेवी रतनलाल शर्मा ने कहा की भगत सिंह का जन्म उस दौर में हुआ था, जिस दौर में अंग्रेजों के द्वारा भारतीय जनता पर किए जा रहे जुल्म अपनी चरम सीमा पर थे। माता विद्यावती ने भगत सिंह की परवरिश ऐसे की, जो भारत माता की आजादी के लिए एक फौलाद बनकर अंग्रेजी हुकूमत से लड़े । शहीद भगत सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर कोटपूतली के निकटवर्ती ग्राम सॉन्ग टेढ़ा के एक निजी विद्यालय में समाजसेवी रतनलाल शर्मा की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजन किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता जिंदाबाद ,इकलाब जिंदाबाद,भगत सिंह अमर रहे जैसे नारों से हुई। गौरतलब है कि भगत सिंह ने अंग्रेजी हुकूमत की असेंबली में बम फोड़कर एवं अपनी गिरफ्तारी देकर ब्रिटिश हुकूमत की जड़ों को हिला दिया था । शहीद भगत सिंह की यह कुर्बानी भारत के सारे युवाओं के लिए प्रेरणा दायक बनी। फल स्वरुप सभी देश के युवा क्रांतिकारियों ने पूरे देश में क्रांति की लहर चला दी। वीर भगत सिंह के बारे में यहां तक भी कहा जाता है कि उनका अंग्रेजी हुकूमत में इतना जबरदस्त भय समा गया था की ब्रिटिश अधिकारियों की औरते रात को अपने बच्चों को यह कहकर सुलाती की सोजा बेटा, सोजा, भारत के क्रांतिकारी आ रहे है । इस प्रोग्राम में स्कूल निर्देशक मुकेश चौधरी ने सभी बच्चों को राष्ट्र को सर्वोपरि मानकर राष्ट्र सेवा करने के लिए प्रेरित किया । इस दौरान समाजसेवी रतनलाल शर्मा ,मुकेशचौधरी ,राहुल ,संदीप,कर्मवीर,सुरेंद्र,सोलंकी,गोकुल ,प्रदीप,मनोज व विद्यालय का पूरा स्टाप मौजूद रहा । इस कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बालकों द्वारा अनेकों देशभक्ति नाटक व गीत की प्रस्तुति दी गई।

न कोई हारा-न कोई जीता, लोक अदालत की भावना हुई साकार

वर्ष 2024 की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी समझाइश से हुआ 551292 लंबित प्रकरणों का निस्तारण

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 28 सितम्बर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शनिवार को आयोजित वर्ष 2024 की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत में 5,51,292 लंबित प्रकरणों का राजीनामे के जरिए निस्तारण कर लोक अदालत की भावना को साकार किया गया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में इन लंबित प्रकरणों सहित प्री-लिटिगेशन स्तर तक के समस्त 29,78,564 प्रकरणों का आपसी समझाइश से निस्तारण किया गया।इनमें कुल 11 अरब 62 करोड़ 38 लाख रूपए से अधिक की राशि के अवॉर्ड पारित किए गए। इस राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर एवं जयपुर पीठ सहित प्रदेश के सभी जिला एवं मजिस्ट्रेट विचारण न्यायालयों, अधिकरणों, आयोगों, उपभोक्ता मंच तथा राजस्व न्यायालयों आदि में किया गया। उच्च न्यायालय की जोधपुर मुख्य पीठ में 262 तथा जयपुर पीठ में 570 प्रकरणों का राजीनामे से निस्तारण किया गया।इससे पहले राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति अनूप कुमार ढंड़ ने राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर पीठ के परिसर में इस राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया। शुभारंभ समारोह में न्यायाधिपति ढंड ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत ऐसा माध्यम है जो विवादों का निस्तारण करने के साथ-साथ सामाजिक रिश्तों व सरोकारों को और प्रगाढ़ बना सकता है। 'न कोई जीता-न कोई हारा' के आदर्श वाक्य पर संचालित लोक अदालतों में किसी भी पक्ष की हार-जीत न होकर आपसी समझाइश से प्रकरण निस्तारित किए जाते हैं। जिससे अदालतों के समक्ष लंबित वादों में तो कमी आती ही है। पक्षकारों के मध्य वैमनस्य का भाव भी समाप्त होता है।न्यायाधिपति ढंड़ ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए दैनिक समाचार पत्रों, बल्क मैसेज, हैलो ट्यून, डिजिटल वीडियो वॉल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का उपयोग कर जागरूकता उत्पन्न की गई। न्याय आपके द्वार की संकल्पना के तहत डोर स्टेप काउंसलिंग प्रणाली को भी लोक अदालत के उद्देश्य को साकार करने के लिए अपनाया जा रहा है।इस अवसर पर रालसा एवं रजिस्ट्री के पदाधिकारीगण, अधिवक्ता,पक्षकार, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने किया परीक्षा केंद्र तथा स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

● पारदर्शी तरीके से परीक्षाएं संपादित करवाने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध - एडीएम

● एसओपी की अनुपालना सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

चमकता राजस्थान। कोटपूतली-बहरोड(धर्मेंद्र बंसल)। 28 सितंबर। अतिरिक्त जिला कलक्टर ओम प्रकाश सहारण ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा आयोजित समान पात्रता परीक्षा (स्नातक स्तर)-2024 के परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण किया साथ ही सांगटेड़ा में स्थापित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान निर्देश दिये कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के दिशा-निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करावे।इसके इसके पूर्व अति. जिला कलेक्टर ने पाना देवी कॉलेज तथा एलबीएस कॉलेज में स्थापित स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया गया जिसमें उन्होंने सीसीटीवी मे रिकॉर्डेड पूरी रिकॉर्डिंग का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाएं पारदर्शी व विश्वसनीय तरीके से संपादित करवाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसे सुनिश्चित करने के लिए पुलिस और प्रशासन द्वारा गंभीर और अतिरिक्त सतर्कता के साथ कड़ी व्यवस्था कर समस्त इंतजाम चाक-चौबंद किए गए हैं।इसी क्रम में उनके द्वारा कृषि उपज मण्डी कोटपूतली का औचक निरीक्षण भी किया। यहां मंडी के आवक-जावक रजिस्टर का गहनता से निरीक्षण किया तथा कहा कि अनाज विक्रय के लिए आने वाले किसानों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाए तथा किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम मिले। उक्त निर्देश अति. जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने शनिवार को निरीक्षण दौरान मण्डी अधिकारी को दिए। इस दौरान संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

उपखंड कार्यालयों से लेकर तहसीलदार कार्यालय तक चला स्वच्छता अभियान

जिला कलक्टर के निर्देश पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सफाई

चमकता राजस्थान

● रविवार को जिला कलक्ट्रेट में प्रातः 9 से 11 बजे तक होगी विशेष साफ-सफाई

● जिला कलक्टर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालय की सफाई के दिये निर्देश

जयपुर!(खलील कुरैशी) 28 सितंबर। शनिवार को जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिले के राजकीय कार्यालयों में नजारा कुछ अलग था। अवकाश के दिन अधिकारी एवं कर्मचारी हाथ में झाड़ू एवं कपड़ा लिए अपने कार्यालय एवं कार्यालय परिसर की सफाई करते नजर आए।जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर स्वछता ही सेवा अभियान के तहत शनिवार को जिले के सभी उपखंड अधिकारी कार्यालय से लेकर पंचायत कार्यालय तक साफ-सफाई की गई।कर्मचारियों के साथ अधिकारियों ने भी हाथ में झाड़ू और कपड़ा थाम कर कार्यालय की सफाई की। सभी उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी सहित सभी विभागों के कार्यालयों में साफ-सफाई की गई।जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक स्वछता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस सकारात्मक पहल से जिले के राजकीय कार्यालयों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में मदद मिलेगी, कार्मिकों की कार्यक्षमता में अभिवृद्धि होगी एवं आगंतुकों को भी सुविधाजनक वातावरण मिलेगा। साथ ही आमजन में भी स्वच्छता को लेकर प्रेरणा मिलेगी। जिला कलक्टर के निर्देश पर रविवार, 29 सितंबर 2024 को जिला कलक्ट्रेट स्थित विभिन्न कार्यालयों एवं शाखाओं में भी साफ-सफाई की जाएगी। अधिकारी एवं कर्मचारी प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक अपने कार्यालय में सफाई करेंगे। इस दौरान साफ-सफाई के साथ-साथ क्षतिग्रस्त फर्निचर एवं अनावश्यक सामग्री का निस्तारण भी किया जाएगा। मच्छर पनपने से रोकने के लिए व्यापक प्रबंध करने के निर्देश दिये गए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929